जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली - 16

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार - 16

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन - 17

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी - 18


6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

# अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 362, पृष्ठ 18 ■ मूल्य 6 रुपये


# बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

## मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

### शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

# विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

### विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

## ब्रीफ न्यूज

### रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक ज़मीन सौदे में कथित गड़बड़ियों से जुड़े धनशोध मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

### कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और संस्कृति स्कूल, बाराखंभा स्थित मॉडर्न स्कूल, पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल और श्री अरबिंदो मार्ग स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) शामिल हैं। कई स्कूलों को भेजे गए ईमेल में कहा गया, मैं आपको एक अत्यंत गंभीर और जरूरी चेतावनी के साथ लिख रहा हूं। आपकी इमारत में कई बहुत शक्तिशाली बम रखे गए हैं जो किसी भी समय फट सकते हैं।

# कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

अमित बर्नवाल, राहुल सिंह, संजू सिंह, दाऊद अंसारी।

- ऑयल सीड्स कंपनी में काम करते थे, सुबह काम के लिए जगाने पर मौतों का पता चला
- कमरे में वेंटीलेशन न होने से दम घुटने से मौत होने की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार:** पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे। गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं। जिसमें चारों दोस्त संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दाऊद अंसारी (25) एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर मुसहती तरकुलवा के थे।

ये चारों एक कमरे में सोये थे। उनके तीन साथी दूसरे कमरे में सोये थे। गांव का ही नागेंद्र गुरुवार सुबह करीब छह बजे चारों को काम के लिए जगाने पहुंचा तब उसे घटना का पता चला। इस पर ठेकेदार के साथ पनकी पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे तो चारों को मृत पाया। उनके मुंह से सफेद झाग निकला था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार और एसडीएम सदर, फील्ड यूनिट, पनकी का फोर्स और फॉरेंसिक टीम पहुंची।

# अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- आजमगढ़ का रहने वाला है बेग, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए कई विस्फोट, जांच में सामने आया सच

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था।

### दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

### पीलीभीत के जिला अस्पताल में एटीएस ने युवक से की पूछताछ

पीलीभीत: दिल्ली ब्लास्ट मामले में एटीएस टीम ने बुधवार देर शाम जिला अस्पताल में छापा मारा। टीम ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर जांच की। इस दौरान टीम अपने साथ एक युवक को लेकर गई जिसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। अफसर इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ भी कहने से बच रहे हैं। सीएमएस डॉ. रमाकांत ने बताया कि एटीएस की गाड़ियां जरूर देखी गईं, लेकिन उनसे जानकारी नहीं ली गई। वहीं, डीएम ने एटीएस टीम के आने की पुष्टि की है।

## सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे।

सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें इलाज के लिए वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने चिकित्सकों के हवाले से बताया कि उनके पिता को हृदय संबंधी समस्याएं थीं। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

# अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

- ईडी ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत की कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452.51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधितप मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं। रिलायंस ग्रुप समूह के सूत्रों ने पहले कहा था कि डीएकेसी आरकॉम की परिसंपत्ति है जो पिछले छह वर्ष से दिवालियापन का सामना कर रही है।

# भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय | देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

# डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल' के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

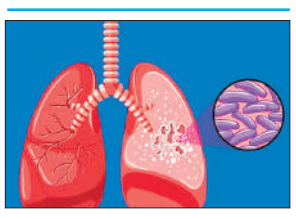

### उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव





# विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

**पुष्कर सिंह धामी**
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

**नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री







## संकल्प
नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रुप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रुप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड़ के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।











सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.39

सूर्यास्त 05.17

## शहर में आज

- भाकियू लोकशक्ति की मासिक पंचायत रामलीला मैदान में सुबह 11 बजे।
- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- चौधरी निहाल सिंह स्कूल ऐमी में वार्षिकोत्सव दोपहर 12 बजे।
- बरखेड़ा के उच्चतर प्राथमिक विद्यालय में विधायक खेल स्पर्धा खेलकूद प्रतियोगिता सुबह 09 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

## न्यूज ब्रीफ

### ट्रैक्टर के नीचे दबकर ग्रामीण की मौत

**माधोटांडा, अमृत विचार :** खेत पर गेहूं की बुवाई करने गए ग्रामीण की ट्रैक्टर के नीचे दबकर मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।माधोटांडा थाना क्षेत्र के ग्राम मैनी गुलड़िया के रहने वाले 48 वर्षीय सुखविंदर सिंह पुत्र मंगल सिंह खेती करते थे। गुरुवार को वह खेत से गेहूं बुवाई करके घर वापस जा रहे थे। इस दौरान अचानक ट्रैक्टर पलट गया। अपने ही ट्रैक्टर के नीचे दब गया। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही मौत हो गई। सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

### बाइक चोरी की रिपोर्ट

**बीसलपुर, अमृत विचार :** बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम बेहटी निवासी पिंटू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 नवंबर की शाम बरेली मार्ग पर मीना बाजार के बाहर बाइक खड़ी करके चले गए थे। कुछ देर बाद वापस आए तो बाइक चोरी हो चुकी थी। कई जगह तलाशने के बाद भी बाइक नहीं मिली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

# फरवरी से होगी बाघों की राष्ट्रीय गणना

## तीन चरणों में होगा गणना कार्य, तृणभोजी वन्यजीवों की भी होगी गिनती

**पीटीआर**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** पीलीभीत टाइगर रिजर्व में राष्ट्रीय बाघ गणना (टाइगर एस्टीमेशन) नए साल में फरवरी माह से शुरू होने जा रही है। तीन चरणों में होने वाले गणना कार्य के दौरान तृण भोजी वन्यजीवों की भी गिनती की जाएगी। इसको लेकर तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ के नेतृत्व में टीम प्रशिक्षण लेने उत्तराखंड गई हुई है। विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित टीम टाइगर रिजर्व में टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमों को प्रशिक्षित करेगी। इसके बाद ही बाघ गणना का कार्य शुरू किया जाएगा।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा देश भर में बाघों की संख्या जानने को राष्ट्रीय बाघ गणना (टाइगर एस्टीमेशन) हर चार साल के अंतराल पर कराई जाती है। इससे पूर्व राष्ट्रीय बाघ गणना वर्ष 2022 में संपन्न कराई गई थी। उस दौरान पीलीभीत टाइगर रिजर्व को 365 ग्रिड में विभाजित कर बाघ गणना की गई थी। 700 से अधिक कैमरा ट्रेप लगाकर की गई गणना में उस दौरान 71 बाघ पाए गए थे। इधर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से आगामी बाघ गणना अगले साल 2026 में प्रस्तावित है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आगामी राष्ट्रीय बाघ गणना नए साल के फरवरी माह से शुरू कराई जानी है। इसको लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। टाइगर रिजर्व में बाघ गणना को लेकर वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके, महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव और बायोलॉजिस्ट आलोक कुमार तीन दिवसीय प्रशिक्षण लेने उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व गए हुए हैं। प्रशिक्षित टीम वापस लौटकर टाइगर रिजर्व के टाइगर एस्टीमेशन करने वाले वन अफसरों और वन कर्मियों को प्रशिक्षण देगी।

पीटीआर में शावकों के साथ चहलकदमी करती बाघिन। ● अमृत विचार

● प्रशिक्षण लेने गई टीम पीटीआर के वन अफसरों व वन कर्मियों को करेगी प्रशिक्षित

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर राष्ट्रीय बाघ गणना 2026 में प्रस्तावित है। इसकी तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। एक टीम प्रशिक्षण लेने गई हुई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। पीटीआर में बाघ गणना का कार्य तीन चरणों में संपन्न होगी। इसी के साथ तृणभोजी वन्यजीवों की भी गणना की जाएगी। – **मनीष सिंह,** डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

### पहले चरण में किया जाएगा साइन सर्वे

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघ गणना के दौरान बाघों की मौजूदगी, आवाजाही और उनकी संख्या के बारे में सटीक डेटा एकत्र किया जाएगा। बाघों की पहचान उनके खास स्ट्राइप पैटर्न यानी धारियों के पैटर्न से करने के लिए कैमरा ट्रैप तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक टाइगर एस्टीमेशन के पहले चरण में साइन सर्वे किया जाएगा। इसमें बाघ-तेंदुआ बाहुल्य जंगल में अनावश्यक रूप से उगी घास काटने के बाद टीमें बाघ और तेंदुओं की साइटिंग, पैरों के निशान आदि देखकर इनकी संख्या का अनुमान लगाएगीं। साथ ही बाघों के भोजन यानी शाकाहारी पशुओं के घनत्व का आकलन होगा। इसके अलावा बाघों के हैबीटेट में बायोटेक इंटरफेयरेंस का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा। दूसरे चरण में रिमोट सेंसिंग का काम होगा। इसमें जंगल के रास्तों, रोशनी और पानी के लिए वाटर होल्स की स्थिति का आकलन किया जाएगा। तीसरे और अंतिम चरण में कैमरा ट्रैपिंग होगी। इसमें जंगल को ग्रिड में बांटकर कैमरा ट्रैप लगाए जाएंगे। बाघ गणना के साथ-साथ तृणभोजी वन्यजीवों की भी गणना की जाएगी।

## 3.86 करोड़ से सुधरेंगे दो प्रमुख मार्ग

**पीलीभीत,अमृत विचार :** विधायक बाबूराम पासवान ने क्षेत्र के धर्मार्थ योजना के तहत मार्गों की दशा सुधारने के लिए प्रस्ताव दिए थे। इन प्रस्तावों पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने प्रयास किए। जिसके बाद लोक निर्माण विभाग ने धर्मार्थ योजना के तहत दो प्रमुख मार्गों को स्वीकृति मिली है। इसमें गुरुद्वारा नंबर एक से गुरुद्वारा नंबर दो तक संपर्क मार्ग और गुरुद्वारा सिखसभा मुझाकलां तक संपर्क मार्ग की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति शामिल है। दोनों संपर्क मार्गों की लंबाई पांच किमी है, जिसकी लागत 3.86 करोड़ रुपये आएगी। बताते हैं कि इन संपर्क मार्गों के निर्माण से पूरनपुर क्षेत्र के गुरुद्वारों में आने-ने के लिए आसपास के ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा। इससे होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। इन संपर्क मार्गों के निर्माण के लिए सिख समाज द्वारा लगातार अनुरोध किया जा रहा था। अब इसकी स्वीकृति मिलने के बाद राहत मिली है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए सड़क अवसंरचना के सुधार के लिए आगे भी प्रयास किए जाते रहेंगे।

# आंगनबाड़ी और शिक्षा मित्र का एक दिन का मानदेय काटा

मरौरी ब्लॉक क्षेत्र में निरीक्षण करने पहुंचे सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● निरीक्षण में सीडीओ ने कम बच्चे मिलने पर नाराजगी जताई

**अमृत विचार :** सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के तीन स्कूलों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। सबसे पहले प्राइमरी स्कूल दियुनी केसरपुर पहुंचे। महिला शिक्षामित्र अनुपस्थित पाई गई, उसका मौके पर ही एक दिन का मानदेय काट दिया गया। रसोई घर में जाकर एमडीएम की गुणवत्ता को परखा। बच्चों से सवाल जवाब कर शैक्षिक गुणवत्ता का आकलन किया।

इसके बाद सीडीओ प्राइमरी स्कूल सैदपुर पहुंचे तो कक्षाएं चलती मिली। उन्होंने विभागीय योजनाओं के बारे में शिक्षकों से बात की। निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को दी जाए। फिर प्राइमरी स्कूल पिपरिया अगरु का निरीक्षण किया। यहां आंगनबाड़ी केंद्र पर मात्र दो ही बच्चे उपस्थित मिले। आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकत्री भी केंद्र से अनुपस्थित मिली। जिस पर सीडीओ ने नाराजगी जताई।

अनुपस्थित कार्यकत्रियों का एक दिन का मानदेय काटा। प्राइमरी स्कूल पिपरिया अगरु में हालात ठीक मिले। कक्षाओं में स्कूली बच्चों से सवाल जवाब किए गए। सीडीओ के औचक निरीक्षण का पता चलते ही अन्य स्कूलों में भी स्टाफ सतर्क हो गया। निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक राकेश पटेल भी रहे। तीनों स्कूलों में प्रधानाध्यापकों को छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावकों से संपर्क करने के निर्देश दिए गए।

# जंगल किनारे खेत में देखे गए बाघ के पगमार्क

**दियोरियाकलां, अमृत विचार:** पीलीभीत टाइगर रिजर्व की दियोरिया रेंज से सटे दियोराजपुर गांव में जंगल किनारे मेवाराम प्रजापति के खेत में बाघ के पगमार्क दिखे। ग्रामीणों ने सूचना वन विभाग को दी। हालांकि काफी देर बाद भी कोई नहीं पहुंचा।

बरखेड़ा विकास खंड की ग्राम पंचायत दियोराजपुर जंगल के किनारे बसा है। जंगल किनारे तार फेसिंग न होने से जंगली जानवर निकलकर खेतों की तरफ आ जाते हैं। जिससे मानव वन्यजीव संघर्ष की आशंका बढ़ जाती है। इस समय गन्ना छिलाई का सीजन है। किसान गन्ने की छिलाई करने में जुटे हैं। इधर गेहूं की बुवाई भी चल रही है। ऐसे में बाघ के पगचिन्ह खेतों में देखे जाने पर किसानों में दहशत है। किसानों का कहना है कि वन विभाग द्वारा जंगल किनारे जल्द तार फेसिंग नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। टिकरी के मंडल मंत्री डॉ. प्रेम शंकर मौर्य ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से तार फेसिंग कराने की मांग की है।

# सीतापुर से कैद तेंदुआ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में छोड़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार:** सीतापुर में आतंक का पर्याय बने तेंदुआ को रेस्क्यू किए जाने के बाद बुधवार शाम पीलीभीत टाइगर रिजर्व लाया गया। जहां स्वास्थ्य परीक्षण के बाद पिंजड़े में कैद तेंदुआ को डिप्टी डायरेक्टर की देखरेख में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के सुरक्षित जंगल में रिहा कर दिया गया। बता दें कि इस तेंदुआ की चहलकदमी से सीतापुर जिले के दो दर्जन से अधिक गांवों में दहशत फैली हुई थी।

जनपद सीतापुर के मिश्रिख वन रेंज के अंतर्गत विकास खंड गोंदलामऊ के गांवों में पिछले कई दिनों से एक तेंदुआ चहलकदमी देखी जा रही थी। धीरे-धीरे तेंदुआ की सक्रियता आबादी क्षेत्र में बढ़ती गई। तेंदुआ की चहलकदमी से करीब दो दर्जन गांवों में दहशत फैली हुई थी। वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी में जुटीं रहीं। तेंदुआ की बढ़ती सक्रियता को देख उच्चाधिकारियों की ओर से तेंदुआ को पकड़ने के निर्देश दिए गए।

पीटीआर में तेंदुआ को छोड़ने की तैयारी करती टीम। ● अमृत विचार

● बीते बुधवार को सीतापुर के रामपुर खेवटा से किया था रेस्क्यू

6 नवंबर को वन विभाग की टीम ने तेंदुआ को पकड़ने के लिए गोंदलामऊ ब्लाक के रामपुर खेवटा गांव के नजदीक पिंजड़ा लगाया था। इधर मंगलवार रात तेंदुआ पिंजड़े में कैद हो गया। तेंदुआ पकड़ने की जानकारी मिलने के बाद शासन ने रेस्क्यू किए गए तेंदुआ को पीलीभीत टाइगर रिजर्व में छोड़ने के निर्देश दिए। संबंधित वन रेंज के अफसरों ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर से संपर्क साधा और शासन द्वारा दिए गए निर्देश से अवगत कराया। जिसके बाद मिश्रिख वन रेंज के वन अफसरों की देखरेख में तेंदुआ को बुधवार शाम पीलीभीत टाइगर रिजर्व लाया गया।

पिंजड़े में कैद तेंदुआ का स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने के बाद डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह की देखरेख में तेंदुआ को पीलीभीत टाइगर रिजर्व के कोर जोन में रिहा कर दिया गया। इस दौरान पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वन अफसर एवं वन कर्मी मौजूद रहे।

# जांच में तीन बच्चे मिले कुपोषित

बच्चों का चेकअप करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● एमसीएच विंग की ओपीडी कक्ष संख्या 10 में कुपोषण जांच शिविर किया आयोजित

**अमृत विचार :** स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में बाल स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पीडियाट्रिक विभाग, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और एनआरसी यूनिट के संयुक्त प्रयासों से कुपोषण स्क्रीनिंग यूनिट का शुभारंभ किया गया।

एमसीएच विंग की ओपीडी कक्ष संख्या 10 में कुपोषण जांच शिविर आयोजित किया गया। स्क्रीनिंग कार्यक्रम का संचालन डॉ. कौस्तव हलदार और इंटर्न्स की टीम द्वारा किया गया। इस दौरान 6 माह से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 21 बच्चों की जांच की गई। इनमें से तीन बच्चों में गंभीर कुपोषण की आशंका पाए जाने पर उन्हें विशेष देखभाल के लिए एनआरसी के लिए संदर्भित किया गया। एनआरसी इंचार्ज डॉ. नीता सक्सेना इन बच्चों की चिकित्सीय देखभाल, पोषण प्रबंधन और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करेंगी। कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सिंह ने बताया कि कुपोषण की समय पर पहचान और उपचार ही बच्चों के स्वास्थ्य सुधार का आधार है। विभाग समुदाय के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने को लेकर लगातार प्रयासरत रहेगा। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा, बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित सचान आदि मौजूद रहे।

# एक से अधिक गणना प्रपत्र भरा तो होगी कार्रवाई

**पीलीभीत, अमृत विचार:** जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान यदि किसी मतदाता ने एक से अधिक गणना प्रपत्र भरकर जमा किया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिसमें एक साल की सजा भी हो सकती है। चुनाव आयोग के निर्देश पर जनपद में इन दिनों विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा रहा है। देखा गया है कि कुछ व्यक्तियों के विभिन्न स्थानों पर वोट होने के कारण उन्हें एक से अधिक गणना प्रपत्र मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में मतदाता को मात्र एक गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास जमा करना है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने बताया कि यदि कोई एक से अधिक गणना प्रपत्र भरता है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

# वाहन की टक्कर से लखीमपुर के युवक की मौत

**पीलीभीत, अमृत विचार :** थाना जहानाबाद क्षेत्र में अमरिया रोड पर बुधवार देर रात किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उधर से निकल रहे राहगीरों ने जहानाबाद पुलिस को सूचना दी। थाना जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

● थाना जहानाबाद क्षेत्र में अमरिया रोड पर हुआ सड़क हादसा

मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी जिले के कोतवाली पलिया क्षेत्र के ग्राम भगवंत नगर निवासी 22 वर्षीय अजय कुमार पुत्र प्रेम सागर के रूप में हुई। मृतक के भाई लाडी ने बताया कि अजय सहारनपुर में हाइड्रा चलाने का काम करता है। बुधवार को अजय बाइक से घर लौट रहा था। तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था और घर का सहारा भी था। प्रभारी निरीक्षक जहानाबाद प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

# मानक विहीन होर्डिंग व गन्ना वाहनों पर हो सख्ती

## अखिल भारत हिंदू महासभा ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में डीएम को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** गन्ना सीजन की शुरुआत के साथ सड़कों पर यातायात व्यवस्था को लेकर आ रही परेशानी और हादसे की आशंका पर हिंदू महासभा ने सख्ती करने की मांग की है। गन्ना वाहनों में नियमों का पालन कराने के साथ ही कई बिंदुओं पर ज्ञापन डीएम को सौंपा। सप्ताह भर में कोई ठोस कदम न उठाए जाने पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है।

अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता गुरुवार सुबह कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा की अगुवाई में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से मुलाकात की गई। इस दौरान यातायात अव्यवस्था, दुर्घटना संभावनाओं और प्रशासनिक शिथिलता का हवाला देते हुए कई बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा कि नगर क्षेत्र में दौड़ रहे गन्ना वाहनों पर नियंत्रण किया जाए। समय-सीमा और रूट निर्धारण करने की मांग की। उनका कहना था कि हर साल चीनी मिलों का संचालन शुरू होने पर शहर में भारी वाहनों और गन्ना लदी ट्रालियों की आवाजाही बढ़ जाती है। किसी भी समय वाहन ओवरलोड और ओवरहाइट होने के बाद भी दौड़ते हैं। स्कूल के खुलने और छुट्टी के वक्त भी बेतरतीब तरीके से वाहनों की आवाजाही रहती है। बिना रिफ्लेक्टर और चेतावनी चिह्न के ही वाहन दौड़ रहे हैं। रात के वक्त कोहरे के बीच हादसे का डर बना रहता है।

डीएम को ज्ञापन देते अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- **एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं होने पर दी गई धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी**

मुख्य मार्गों पर लगातार जाम की स्थिति बन रही है और कई स्थानों पर सड़क किनारे खड़ी गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रालियों से आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हैं। इसे लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की गई। इसके अलावा पूर्व में रखी जा चुकी मूलचंद धर्मशाला के जीर्णोद्धार, डिग्री कॉलेज चौराहे का नाम बदलकर प्रभु श्रीराम चौराहा, रामलीला मार्ग का नाम प्रभु श्रीराम मार्ग करने आदि मांगों को भी दोबारा रखा। छुट्टा गोवंश को रेडियम बेल्ट लगाने, बाजार क्षेत्र में पार्किंग स्थल निर्माण, ई–रिक्शा रूट निर्धारण, गौहनिया तालाब की चारदीवारी, नजूल भूमि पर संचालित अवैध आरा मशीनों पर कार्रवाई कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, नेपाल कैसीनो जाने वाले युवाओं को रोकने के लिए सीमा क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक उपाय लागू करने आदि पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर गौरव शर्मा, हरिओम मिश्रा, डॉ. प्रेम सागर शर्मा, आयुष सक्सेना, प्रकाश अग्निहोत्री, सुनील कश्यप, अर्जुन सिंह, चेतन श्रीवास्तव, लखन प्रताप सिंह, अंकुर सिंह भदौरिया, शलभ गंगवार, बिन्दु सिंह, सुमन कश्यप, भगवती देवी, मीरा शर्मा आदि मौजूद रहे।

### विशेष अभियान चलाकर की जाए कार्रवाई

ये भी कहा कि शहरी क्षेत्र में मानकों के विपरीत होर्डिंग लगे हुए हैं। इनसे भी यातायात बाधित रहता है और वाहन चलाते वक्त ध्यान भटकने से हादसे का कारण भी बनते हैं। हाईवे पर भी मानकों को दरकिनार कर होर्डिंग लगवा दिए गए हैं। इसे हटाने के लिए विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की गई। उनका कहना है कि नया बाईपास बनने के बाद भी शहर से ही बड़े वाहन गुजारे जा रहे हैं। डिग्री कॉलेज चौराहे से छतरी चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण पर कार्रवाई करने की भी मांग रखी गई।

## साइन बोर्ड लगाने के दौरान कटी केवल

**पीलीभीत, अमृत विचार :** टनकपुर हाईवे पर बुधवार शाम साइन बोर्ड लगाए जाने के दौरान बीएसएनएल सहित कई प्राइवेट टेलीकाम कंपनियों के केबल कट गए। जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों में नेटवर्क समस्या उत्पन्न हो गई। जिसके चलते गुरुवार सुबह तक कार्यालयों में कार्य प्रभावित रहा। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कटे हुए केबल की जानकारी मिलते ही टेलीकॉम कंपनियों के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सुबह के समय मरम्मत कार्य पूरा किया गया, जिसके बाद नेटवर्क सामान्य हुआ। टेलीकाम कर्मचारियों ने बताया कि साइन बोर्ड लगाने वाले ठेकेदार द्वारा लाइनों की जानकारी नहीं लेने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई।

लोगों ने बताया कि नेटवर्क न होने के कारण आनलाइन कार्य और संचार में काफी परेशानी हुई। इस संबंध में बीएसएनएल के अधिकारियों ने बताया कि केबल की मरम्मत कर दी गई है और नेटवर्क बहाल कर दिया गया है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए ठेकेदारों को लाइनों की जानकारी लेने की सलाह दी है।

## ओवरहाइट मिलने पर किया चालान और लगवाए रेडियम रिफ्लेक्टर

**पीलीभीत, अमृत विचार:** सड़कों पर काल बनकर दौड़ रहे गन्ना वाहनों में नियम पालन को लेकर गुरुवार को अफसर हरकत में आए। पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने चेकिंग कर कार्रवाई की। वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर भी लगवाए।

कई दिनों से गन्ना वाहन नियमों का धता बताकर दौड़ रहे हैं। ओवरलोडिंग, ओवरहाइट के साथ ही वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर भी नदारद हैं। गुरुवार को फजीहत के बाद जिम्मेदारों ने सुध ली। सीओ ट्रैफिक विधि भूषण मौर्य, एआरटीओ वीरेंद्र सिंह की अगुवाई में टीम ने गन्ना लदे वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगवाया गया।

वाहनों की चेकिंग करती टीम।

वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।गन्ना लदे ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रालियों के चालकों को मानक के अनुरूप गन्ना वाहन में भरकर परिवहन करने के निर्देश दिए गए। ओवरहाइट चलने वाले 32 वाहनों के चालान किए गए। कुल 70 वाहन के चालान कर 88500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। 16 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

## अतिरिक्त दहेज के लिए महिला को घर से निकाला

**पीलीभीत, अमृत विचार :** थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के सिविल लाइन साउथ निवासी मिनी जायसवाल पुत्री ओमप्रकाश जायसवाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका विवाह सहारनपुर जिले के थाना फतेहपुर क्षेत्र के ग्राम छुटमलपुर निवासी वैभव बंसल से 30 जनवरी को हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोग दहेज में 10 लाख रुपये और 10 तोला सोने की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर पति, ससुर अजय बंसल, सास शिखा बंसल, चचिया ससुर मनोज बंसल, चचरे जेठ शिवम बंसल, फुफिया सास रीमा बंसल ने मारपीट कर 15 जून को घर से निकाल दिया। 23 जून को सुबह वह अपनी ससुराल पहुंची तो उसको घर में नहीं घुसने दिया। इसके बाद वह अपने मायके में आ गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज की है।

# दिल्ली ब्लास्ट : एटीएस की छापामारी से मची खलबली

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जिला अस्पताल में गोपनीय ढंग से किया निरीक्षण, अफसरों से भी नहीं की कोई बात**
- **डीएम ने की पुष्टि, एक को हिरासत में लेने का मचा शोर जिम्मेदार साध गए चुप्पी**

**अमृत विचार :** दिल्ली ब्लास्ट की कड़ियों की तलाश में सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता बुधवार देर शाम पीलीभीत तक आ पहुंची, जहां एटीएस की टीम ने जिला अस्पताल में गोपनीय निरीक्षण कर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अफसरों में खलबली मचा दी। मेडिकल कॉलेज और आयुर्वेदिक कॉलेज तक फैली इस पड़ताल के बीच एक युवक को हिरासत में लेने की चर्चाएं तेज रहीं।हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। डीएम ने एटीएस टीम के आने की पुष्टि की।

10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस घटना की तह में जाने की कोशिश कर रही हैं। दिल्ली और हरियाणा में जांच के बाद अब एटीएस की गतिविधियां उत्तर प्रदेश में भी तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार देर शाम पीलीभीत में एटीएस की टीम ने अचानक निरीक्षण कर सबको चौंका दिया। बताते हैं कि तीन दिन पहले ही एटीएस ने मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज और जनपद के मदरसों की सूची तलब की थी। सूची मिलने के बाद टीमों ने गुपचुप तरीके से जांच शुरू कर दी। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने भी एटीएस को सूची सौंपने के बाद कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की आंतरिक जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। इसी क्रम में बुधवार को एटीएस टीम बिना किसी पूर्व सूचना के जिला अस्पताल पहुंची। टीम की कई गाड़ियों को कैंपस में प्रवेश करते देख अस्पताल कर्मियों में खलबली मच गई। हालांकि टीम ने किसी भी कर्मचारी या डॉक्टर से बातचीत नहीं की। वह केवल अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर बिना औपचारिक चर्चा के निकल गई।

इस बीच चर्चा यह भी है कि टीम अपने साथ एक युवक को लेकर गई है। अफसर इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ भी कहने से बच रहे हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. रमाकांत ने बताया कि एटीएस की गाड़ियां जरूर देखी गईं, लेकिन उनसे कोई जानकारी नहीं ली गई। वहीं डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने एटीएस टीम के आने की पुष्टि की है, हालांकि किसी को हिरासत में लिए जाने पर उन्होंने स्पष्ट नहीं बता सके हैं। बताया यह भी जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियां जिले के छात्र-छात्राओं की गतिविधियों पर खास नजर रखे हुए हैं। पूरे दिन एटीएस की छापामारी को लेकर चर्चाएं होती रही।

## वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

प्रतियोगिता के विजेता व स्टाफ। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

**अमृतविचार:** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मे चल रही तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया। विजेताओं को आज पुरस्कृत किया जाएगा। 400 मीटर दौड़ में सीओपीए ट्रेड के आनंद प्रथम, अनुराग तिवारी तृतीय, चंद्रसेन तृतीय रहे। महिला वर्ग 200 मीटर दौड़ में आरएसी ट्रेड की नैनसी प्रथम, एफडीटी ट्रेड की हंसमुखी द्वितीय, काजल तृतीय रहीं। क्रिकेट में कैप्टन मोनू की टीम विजेता रही। मौके पर प्रधानाचार्य गुंजन गुप्ता, विनोद कुमार सिंह, आशीष चौहान, मोहन श्याम, प्रताप सिंह, सुनील कुमार यादव, दीपक कुमार यादव, सुनील कुमार वर्मा, मृदुला, नितिन सागर, अमन मिश्रा, आकाश कुमार, आकाश वर्मा, स्वतंत्र सिंह, काव्य सक्सेना, वर्षा प्रजापति आदि मौजूद रहे।

## लाइसेंसी रिवॉल्वर दिखाकर धमकाया

**पीलीभीत, अमृत विचार :** जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम भगा दांडी निवासी रामसेवक पुत्र मनोहर लाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि छह नवंबर की शाम पांच बजे उसकी पत्नी क्रांति देवी खेत पर गई थी। खेत पर मौजूद बाबू खां उसके खेत की मेड़ काट रहा था। जब उसकी पत्नी क्रांति देवी ने विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। उसके साथ मारपीट करते हुए लाइसेंसी रिवॉल्वर दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

# ब्लॉक प्रमुख मरौरी को न्यायालय से राहत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **समर्थकों ने ब्लॉक पहुंचकर सभ्यता देवी वर्मा का किया स्वागत, जताई खुशी**
- **बरखेड़ा विधायक की ओर से की गई शिकायत के बाद सीज हुए थे अधिकार**

**अमृत विचार:** मरौरी ब्लॉक प्रमुख को लेकर कई दिनों से गरमाई सियासत में अचानक उलटफेर की स्थिति बन गई। बरखेड़ा विधायक की शिकायत के बाद उनके अधिकार सीज कर दिए गए थे। इसके विरुद्ध ब्लॉक प्रमुख ने न्यायालय की शरण ली और स्टे ऑर्डर मिल गया। जिसके बाद समर्थकों में खुशी की लहर है। उन्होंने ब्लॉक प्रमुख का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। ब्लॉक प्रमुख ने भी इसे न्याय करार देते हुए सत्य की जीत बताया है।

मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा और भाजपा के बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद के बीच खींचतान की चर्चाएं लंबे समय से चली आ रही थी। क्षेत्र पंचायत की बैठक में एक बार दोनों के बीच बयानबाजी भी बढ़ी रही थी और मामला खुलकर उजागर हो गया था। इसी बीच बताते हैं कि बरखेड़ा विधायक ने बीडीसी सदस्यों को दिए जाने वाले मानदेय में घोटाले और कारगिल शहीद के नाम पर बनवाए गए स्मृति द्वार से जुड़ी शिकायत की। शासन स्तर से इनकी जांचें हुई और फिर अक्टूबर माह मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा के अधिकार सीज कर दिए गए थे। इस कार्रवाई के बाद रार बढ़ने के कयास लगाए जा रहे थे। ब्लॉक प्रमुख ने इस आदेश के खिलाफ न्यायालय की शरण ली और अपना पक्ष रखा। जिसके बाद उन्हें न्यायालय से राहत भी मिल गई। जानकारी लगने के बाद सभ्यता देवी वर्मा के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं, राजनीति भी गरमा गई है। तमाम बीडीसी सदस्यों, प्रधानों एवं अन्य समर्थकों ने सभ्यता देवी वर्मा का फूल माला पहनाकर खुशी जताई है।

ब्लॉक प्रमुख मरौरी को फूल माला पहनाकर खुशी जताते समर्थक। ● अमृत विचार

### ब्लॉक प्रमुख बोलीं- आगे भी जनहित में करती रहूंगी काम

न्यायालय से मिली राहत के बाद गुरुवार को मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान बरखेड़ा विधायक को लेकर भी खुलकर बोलीं। उन्होंने कहा कि भले बरखेड़ा विधायक अधिकार सीज करने की कार्रवाई से लेकर शिकायत करने तक की बात से अपना कोई लेना देना नहीं बता रहे हैं। मगर, जिस लैटर पैड पर उनकी शिकायत की गई थी, वह विधायक का ही है। पूरी तरह से निराधार आरोप लगाए गए थे। क्षेत्र में कोई गलत काम नहीं किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के शीर्ष नेता शहीदों, सैनिकों के सम्मान के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कारगिल सैनिक के नाम पर स्मृति द्वार बनवाया है, ये एक नेक कार्य है। कहा कि वह आगे भी जनहित में कार्य करती रहेंगी।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
LORD KRISHNA SCHOOL
a place of ideal education
WHAT MAKES US SPECIAL -
Your Child, Our Liability
+ A SCHOLASTIC ENVIRONMENT.
+ CONSISTENT AND PURPOSEFUL FEEDBACK.
+ HIGH STANDARD OF BEHAVIOUR AND DISCIPLINE.
+ EXPERIENCED AND DEDICATED FACULTY.
+ SUPPORTIVE AND STRONG COMMUNITY.
+ WELL MANAGED TRANSPORT FACILITY.
2026-27
ADMISSION
OPEN
LORD KRISHNA SCHOOL
Visit & Join Us :
Ballabh Nagar Colony, Pilibhit
: www.lkspilibhit.org
+91-9258014772, 9368953357


BEST SCHOOL IN PILIBHIT
Google
4.8 RATING
CULTURES
RAJNISHTHA
WHERE EDUCATION MEETS INNOVATION
MISS VAISHALI SHARMA
1ST DISTRICT TOPPER
6TH ZONAL TOPPER
96.2%
MASTER ARYAN JAISWAL 88.8%
2ND TOPPER
MISS DIYA RAJPOOT 88%
3RD TOPPER
MISS ARIBA BEE 86.8%
4TH TOPPER
MISS SIDDHI DESHWAR 86%
5TH TOPPER
85.4%
6TH TOPPER
MASTER JEET VERMA 84.6%
7TH TOPPER
MASTER HAMDAN NOOR 84.6%
7TH TOPPER
MASTER AMAN RAJPUT 82.2%
8TH TOPPER
81%
9TH TOPPER
MISS PRAGYA 80%
10TH TOPPER
ADMISSION OPEN
SESSION 2026-27
FOR CLASS PLAY GROUP TO 12TH
THE 1st AND ONLY ICSE BOARD AFFILIATED SCHOOL OF DISTRICT PILIBHIT
GOSWAMI'S MOMS PRIDE SCHOOL
AFFILIATION NUMBER UP-467
Affiliated to Cisce board, New delhi
Pilibhit Bisalpur Road Near Jangroli Pull (4 Km Ahead of assam chauraha)
CITY OFFICE : GOSWAMI'S MOMS PRIDE SCHOOL DHUDIYA MANDIR ROAD PILIBHIT
M. 8979973380, 9917184380, 9368043324


अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जे.एम.बी. मल्टीस्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
A UNIT OF J.M.B. GROUP OF INSTITUTIONS
आयुष्मान कार्ड धारकों हेतु सर्जरी, परामर्श व जांच
नि:शुल्क कैम्प
एडवांस लेजर व लेप्रोस्कोपिक स्टोन सर्जरी सेन्टर
एडवांस सर्जरी, स्त्री रोग व मूत्र रोग विभाग
समस्त प्रकार के पथरी, गुर्दे, पित्त की थैली, गदूद, हार्निया, फिशर,
बवासीर, बच्चेदानी आदि के लेजर व दूरबीन द्वारा ऑपरेशन।
आयुष्मान योजना
के मरीजों का नि:शुल्क उपचार
हैल्पलाइन
9456092000
JMB HOSPITAL
EMERGENCY 24X7
जे.एम.बी. इन्क्लेव, देवीपुरा, माधोटांडा रोड, पीलीभीत (उ.प्र.)

अमृत विचार के
6वें
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जगदेव सिंह जग्गा
जिलाध्यक्ष
राजकुमार 'राजू'
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
समाजवादी युवजन सभा
129 विधानसभा पूरनपुर समाजवादी पार्टी
rajkumarspraju
@rajkumarrajusp

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

नोवल शुगर लिमिटेड

बरखेड़ा कलां, पीलीभीत

अपील

नोट-किसान भाइयों से निवेदन है कि अपना गन्ना तोल कराने के लिए अपने आधार कार्ड और बैंक पासबुक या चेक की फोटो कॉपी अवश्य साथ लेकर के आएं , जिससे आपके बैंक में गन्ने का भुगतान आसानी से भेजा जा सके।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

BABLU GANGWAR
FLY ASH CONTRACTOR

बजाज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड

बरखेड़ा कला
पीलीभीत

PRASHANT SINGH
EHS HEAD, BEPL

आप सभी को

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

के 6वें स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

नितिन दीक्षित

अध्यक्ष सहकारी गन्ना विकास समिति पूरनपुर
व मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत

आप सभी को

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

के 6वें स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

BJP

कुँवर महीप सिंह चंदेल

वरिष्ठ भाजपा नेता
दियोरिया कलां, बिलसण्डा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

S.S. AMRITA HOSPITAL

DR. A.K. SHARMA
Hospital Director
7536898036

GENERAL WARD | I.C.U.
N.I.C.U. | E.C.G.
PATHOLOGY

नार्मल डिलीवरी- मात्र 10000 रु. (दवा के साथ)

बच्चेदानी का ऑपरेशन- मात्र 18000 रु. (दवा के साथ)

पित्त की थैली का ऑपरेशन- मात्र 18000 रु. (दवा के साथ)

बवासीर और भगन्दर का ऑपरेशन- मात्र 10000 रु. (दवा के साथ)

अपेंडिक्स का आपरेशन- मात्र 20000 रु. (दवा के साथ)

खून की सभी जांचों के चार्ज अलग हैं

Helpline No.
7037609613

पता:- निकट ब्लाक तिराहा, यूनियन बैंक के सामने, बुध बाजार के पास में मोहल्ला इन्द्रीगंज वार्ड नं. 9, बरखेड़ा (पीलीभीत)

# आध्यात्मिक व एकता की भूमि

# बरेली: नाथ नगरी

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

## नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

## जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है



- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

### अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

### अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।




### तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

### मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा—साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

### मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

### पशुपति नाथ मंदिर



- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

### विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं। परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

---

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8 .36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11 .50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9 .71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

### भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध—नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।




### सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी - प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।



### 6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6 .21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

### नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8 .2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3 .0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7 .0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3 .2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3 .5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2 .5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5 .8 किलोमीटर



त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरवाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरवाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

---

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8 .36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11 .50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9 .71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

### सिख धर्म की सेवा और भक्ति

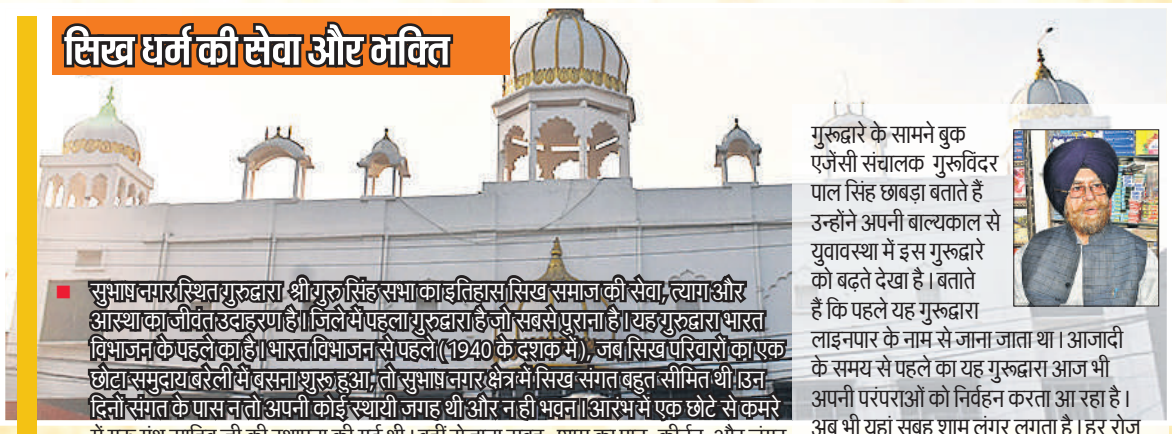



- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी।उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950—60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।



गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

# मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं ।

## शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

## धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

## वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है,वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है । वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव ।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

## रामनगर जैन मंदिर

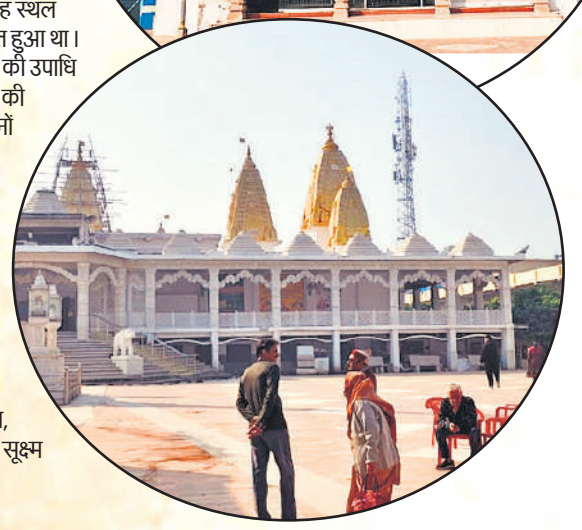

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

# अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफ़ियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफ़ी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफ़ी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

## उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफ़ी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफ़ी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफ़ी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफ़ी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

**आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"**

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

## दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर कुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफ़ियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

## ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

# अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध



## सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

### प्रसंगवश

## गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा

शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

# डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

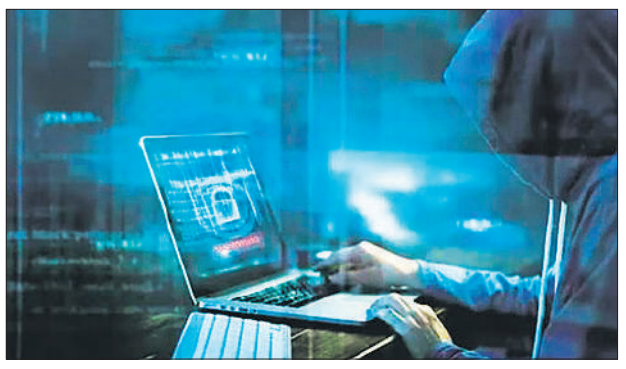

विवेक सक्सेना

अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

### आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

### सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

## होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

### सोशल फोरम

## एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय

ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। **-फेसबुक वाल से**

### सामयिकी

## मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

# यूरेका

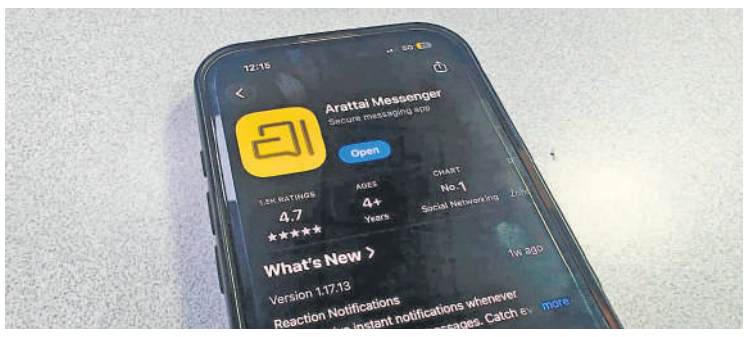


# अरट्टई

## डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

### Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

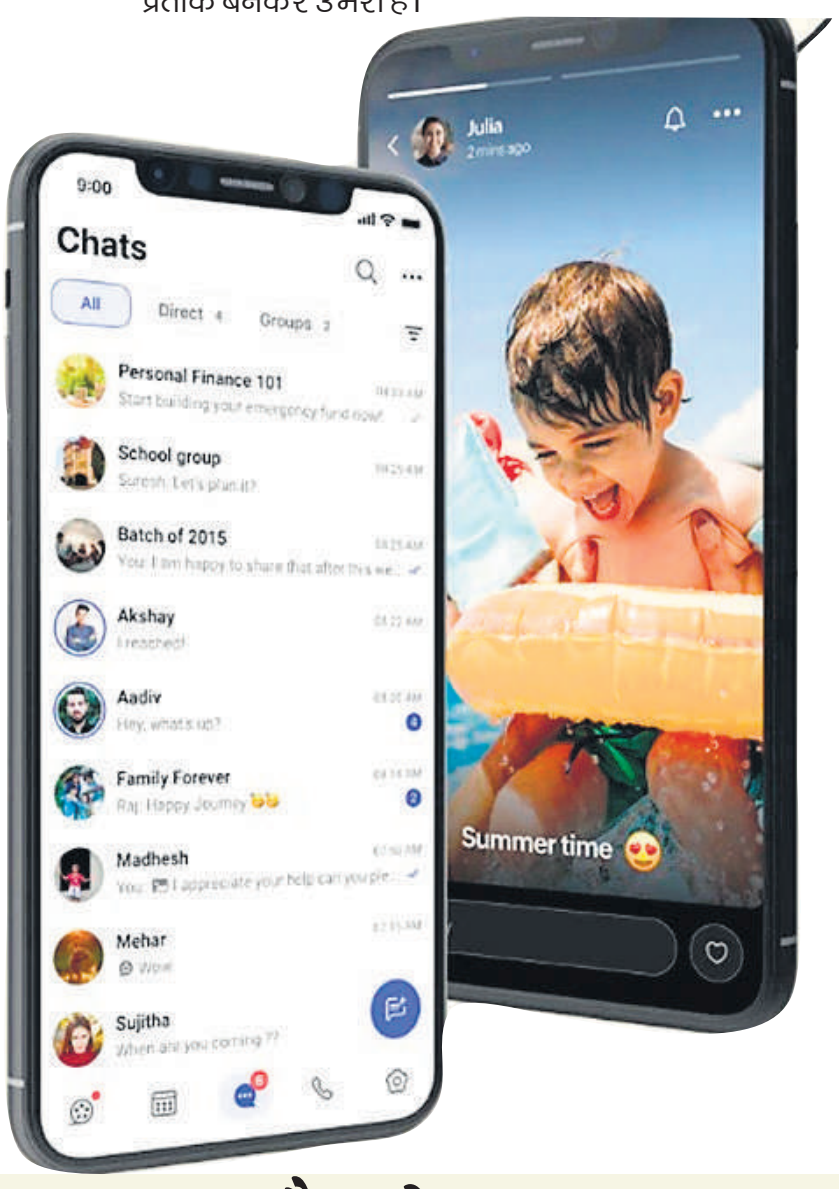


### लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

### क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

### डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

### भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

**Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका**

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

### डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

### भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

## पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

## तारों की बदलती स्थितियां

### पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

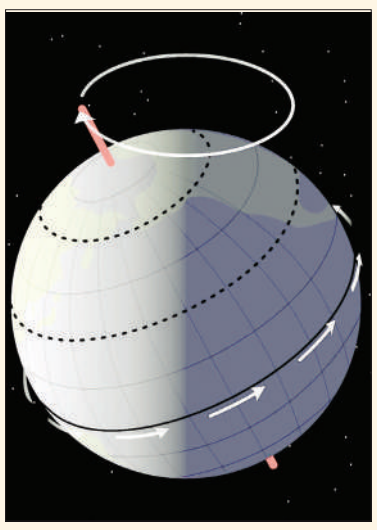

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

### ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

## तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025



## न्यूज ब्रीफ

### जनसेवा केंद्र से कंप्यूटर प्रिंटर, बैटरा चोरी

घुंघचिहाई, अमृत विचार : थाने के सामने जनसेवा केंद्र में चोरी हो गई। ताला तोड़कर चोर घुसे और कंप्यूटर, प्रिंटर, बैटरा चोरी कर ले गए। घटना बुधवार रात को हुई। गुरुवार सुबह पीड़ित के पहुंचने पर घटना का पता चला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कस्बा निवासी पीड़ित मिथिलेश गुप्ता ने बताया कि वह जन सेवा केंद्र चलाते हैं। बुधवार शाम को वह दुकान बंद कर घर आ गए थे। इसके बाद चोरों ने घटना की। इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने बताया कि जांच कराई जा रही है।

### जेठ पर छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 नवंबर की शाम उसके जेठ उसके घर पर बीमार पति का हाल-चाल पूछने के बहाने आए। उस समय वह रसोई में काम कर रही थी। जेठ ने उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए अश्लील हरकतें की। विरोध करने पर गाली गलौज की। 19 नवंबर की सुबह उसके पति की मौत हो गई। पति की मौत के बाद उसके जेठ बंटवारे में मिली संपत्ति पर कब्जा करने के उद्देश्य से अपने साथी के साथ घर पर आए। मायके भेजने का प्रयास किया। घर खाली न करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

### वाहन की टक्कर से खीरी के युवक की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र में अमरिया रोड पर बुधवार देर रात किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उधर से निकल रहे राहगीरों ने जहानाबाद पुलिस को सूचना दी। थाना जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी जिले के कोतवाली पलिया क्षेत्र के ग्राम भगवंत नगर निवासी 22 वर्षीय अजय कुमार पुत्र प्रेम सागर के रूप में हुई। प्रभारी निरीक्षक जहानाबाद प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है।

### तमंचा सहित दो तस्कर पकड़े, जेल भेजा

पीलीभीत, अमृत विचार : गुरुवार को सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने शेरपुरकलां निवासी मुजीब और जावेद को ग्राम सुल्तानपुर में नहर पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से दो तमंचे और चार कारतूस बरामद हुए। आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया।

# डिग्री न पंजीकरण, राम भरोसे हो रहा इलाज

## ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से मरीजों की जान से किया जा रहा खिलवाड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** तमाम सख्ती के बाद भी अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों पर पूरी तरह से शिकंजा नहीं कस सका है। अधिकारियों तक पहुंची शिकायतों के बाद अवैध क्लीनिकों को सील कर दिया जाता है। मगर, इसके बाद उनकी सुध जिम्मेदार लेना भूल रहे हैं। नतीजतन कुछ समय बाद वहीं क्लीनिक संचालित हो रहे हैं, या फिर उन पर लगाई गई सील के साथ ही भीतर रखा सामान भी निकाल लिया जा रहा है। ऐसे में झोलाछाप ग्रामीण अंचलों में बेफ्रिक होकर मरीजों की जान से खिलवाड़ जारी हैं। खास बात है कि सरकारी अस्पतालों से चंद दूरी पर ही इनका संचालन हो रहा है। जिम्मेदार जानकर अनजान बने हुए हैं।

बिना डिग्री और बिना पंजीकरण के अस्पतालों का संचालन करना अवैध श्रेणी में आता है। नियम है कि एमबीबीएस डिग्री धारक सीएमओ कार्यालय और बीएएमएस चिकित्सक यूनानी अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण कराने के बाद ही निजी प्रैक्टिस कर सकते हैं। इसकी निगरानी के लिए दोनों

जहानाबाद कस्बे में एक झोलाछाप की दुकान में रखी दवाएं। ● अमृत विचार

रिछा रोड पर एक सेंटर के भीतर इलाज को रखी मशीनें।

- जहानाबाद सीएचसी के 200 मीटर के दायरे में चल रहे कई अवैध अस्पताल

ही विभागों में नोडल अधिकारी भी बनाए गए हैं। समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई भी की जाती है। मगर, ये कार्रवाई आधी -अधूरी प्रतीत हो रही हैं। जिसकी बानगी ग्रामीण अंचलों में दिखाई दे रही है। झोलाछाप बिना कोई और पंजीकरण के आबादी के बीच सरकारी अस्पतालों के नजदीक ही अपने अवैध क्लीनिकों का संचालन कर रहे हैं।

कई क्लीनिक ऐसे भी हैं, जिनको पूर्व में सील कर दिया गया था। मगर, वह कैसे खुल गए, ये रहस्य बना हुआ है। उन पर मरीजों को खुलेआम देखा जा रहा है। जहानाबाद की बात करें तो सीएचसी के 200 मीटर दायरे में ही दर्जनभर से अधिक क्लीनिक और हॉस्पिटल अवैध तरीके से संचालित हो रहे हैं। पूर्व में सील किए गए अवैध क्लीनिक दोबारा खोल दिए गए।

बताते हैं कि यहां मरीज देखने वालों के पास न तो कोई डिग्री है न ही कोई पंजीकरण है। सिर्फ गोलियों के रंग के आधार पर ही मरीजों को उपचार दिया जा रहा है। एक क्लीनिक सील हुआ तो झोलाछाप ने कुछ ही दूरी पर दूसरा ठिकाना तलाश लिया। जबकि दूसरे ने तो उसी जगह पर प्रैक्टिस शुरू कर दी है। सीएचसी स्तर के जिम्मेदार भी अवैध तरीके से झोलाछाप द्वारा क्लीनिक चलाने की बात संज्ञान में होना तो बता रहे हैं लेकिन कार्रवाई से बचा जा रहा है। बताते हैं कि कुछ के ताले राजनीतिक सिफारिशों के बाद खुल गए तो दोबारा टीम पहुंचने से कतरा रही है।

### लैब और फिजियोथेरेपी सेंटर पर भी संशय

ग्रामीण अंचलों में फिजियोथैरेपी सेंटर और लैब भी कई खुल गई है। इनके पंजीकरण और वहां पर संचालन करने वालों की डिग्री आदि को लेकर संशय की स्थिति है। एक फिजियोथैरेपी सेंटर पर पर मौजूद कर्मचारियों से जब बीमारी को लेकर इलाज के बारे में वार्ता की गई तो योग्यता पर सवाल उठ गए। थेरेपी के जरिए तुरंत आराम देने का ही दावा किया जा रहा है। खास बात रही कि सेंटरों पर ऑनलाइन मशीनें मंगाकर सोशल मीडिया के ज्ञान से इलाज चल रहा है।

### पूर्व में हो चुकी हैं कई एफआईआर

झोलाछाप के क्लीनिक सील होने के बाद दोबारा संचालन पर पूर्व में कार्रवाईयां भी हो चुकी है। बरखेड़ा, बिलसंडा थाना क्षेत्र समेत कई स्थानों पर ऐसे मामले सामने आए तो स्वास्थ्य विभाग सख्त हुआ। जिसके बाद संबंधित स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी की ओर से एफआईआर भी दर्ज कराई जा चुकी है।

> अवैध तरीके से क्लीनिकों का संचालन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। जहानाबाद क्षेत्र में सील किए गए क्लीनिक के दोबारा संचालन से जुड़ी जानकारी मिल रही है। इसे लेकर सीएचसी अधीक्षक को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।
>
> -डॉ. आलोक कुमार, सीएमओ

# लर्निंग बाय डूइंग लैब में छात्र सीखेंगे हेल्थ तक की तकनीक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- इंजीनियरिंग से लेकर खेतीबाड़ी तक का दिया जाएगा प्रशिक्षण
- 19 स्कूलों में शुरू करा दिया गया प्रशिक्षण

**अमृत विचार :** कंपोजिट विद्यालयों में अब शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेगी। छात्रों को लर्निंग बाय डूइंग लैब में इंजीनियरिंग, ऊर्जा-पर्यावरण, कृषि, बागवानी और हेल्थ जैसी विविध तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा।

कौशल आधारित इन प्रयोगात्मक गतिविधियों से बच्चे न सिर्फ विषयों को बेहतर समझेंगे, बल्कि भविष्य के कैरियर की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ाएंगे। जिला समन्वयक के अनुसार, यह पहल विद्यार्थियों को पारंपरिक पढ़ाई के साथ वास्तविक जीवन से जुड़े कौशल सीखने का अनूठा अवसर देगी।

परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के दौरान से ही आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन ने लर्निंग बाय डूइंग योजना की शुरुआत की है। योजना के तहत छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग एंड वर्कशॉप, एनर्जी एंड एनवायरमेंट, एग्रीकल्चर, होम एंड हेल्थ समेत कई महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कक्षा छह से लेकर आठ तक के बच्चों को योजना से लाभान्वित किया जाएगा। जिले में संचालित हो रहे 1508 परिषदीय विद्यालयों में पहले चरण में 19 स्कूलों का चयन किया गया। इनमें तीन पीएमश्री विद्यालय है, जबकि 16 परिषदीय विद्यालय हैं। यह वह विद्यालय जिनमें 60 से अधिक छात्र-छात्राओं की संख्या है।

इसको लेकर दिल्ली से इन स्कूलों में 155 प्रकार के टूल किट उपलब्ध कराए गए हैं। जबकि 350 प्रकार के टूल शिक्षकों के द्वारा खरीदे गए हैं। एक स्कूल के लिए 28770 रुपये का बजट दिया गया था।

जिला समन्वयक सचिन चौधरी ने बताया कि लर्निंग बाय डूइंग योजना के तहत 19 स्कूलों में प्रशिक्षण शुरू करा दिया गया है। सभी में टूलकिट उपलब्ध करा दी गई है। बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

# प्रधान, सचिव समेत पंचायत कर्मी भी करेंगे बीएलओ की मदद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- समीक्षा के दौरान एसआईआर की कम प्रगति पर डीएम ने जताई नाराजगी

**अमृत विचार:** जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) में अब ग्राम प्रधान-सचिव समेत पंचायतकर्मी भी बीएलओ की मदद करेंगे। इस बाबत डीपीआरओ ने जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान-सचिव समेत पंचायतकर्मियों को दिशा निर्देश जारी किए हैं।

लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। चुनाव आयोग के निर्देश पर जनपद में बीते 04 नवंबर से विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशन में जनपद की सभी चारों विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा रहा है।

बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों के वितरण के साथ सभी फार्मों को डिजिटाइज्ड किया जा रहा है। यह कार्य 04 दिसंबर तक पूरा किया जाना है। इसको लेकर जनपद भर में 1522 बीएलओ को जिम्मेदारी दी गई है। सुपरवाइजरों के साथ पर्यवेक्षण के लिए 52 जिलास्तरीय अधिकारियों को भी लगाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम द्वारा प्रतिदिन इस कार्य की समीक्षा भी की जा रही है। इधर गुरुवार को उनके द्वारा की गई समीक्षा में गणना प्रपत्रों के वितरण के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई। जिस पर जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्य समयसीमा के अंदर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

इधर अब गणना प्रपत्र कार्य में तेजी लाने के लिए ग्राम प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक और सफाई भी बीएलओ की मदद करेंगे। इस बाबत डीपीआरओ रोहित भारती ने सभी 720 ग्राम पंचायतों के प्रधानों, सचिवों, पंचायत सहायकों और सफाईकर्मियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में उन्होंने प्रधान-सचिव समेत पंचायत कर्मियों को ग्राम पंचायतों में बीएलओ का सहयोग करते हुए उक्त कार्य में आपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## पिंक शौचालय के लिए किया भूमि पूजन

**गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः** नगर के लखीमपुर रोड स्थित सीजीएन पीजी कॉलेज के निकट विश्व शौचालय दिवस पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार ने गोला खेल महोत्सव में अंडर 17 दौड़ चैम्पियन श्रष्टी वर्मा, अंडर 19 दौड़ चैम्पियन शिवांशी से पिंक शौचालय का भूमि पूजन करवाकर मिशन शक्ति और महिला सशक्तीकरण की आधारशिला रखी। सभासद धर्मेन्द्र तिवारी टीटू, प्रभारी प्राचार्य प्रमोद दीक्षित, विष्णु शुक्ला, अरुण सिंह, कुलदीप तिवारी, अमितांशु मिश्रा, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, लेखाकार मोहित अवस्थी, सिविल जेई अनिल यादव, सफाई सुपरवाइजर संजय कुमार, राहुल वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

# स्कूल की दीवारों में पनप रहे सांप बिच्छू

संवाददाता, केशवापुर

**अमृत विचारः** विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत टिहुलिया में वर्ष 1995 में निर्मित हुआ उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन का आज तक निर्माण पूरा नहीं हुआ है। भवन का कमरा, शीर्ष दीवार व बाहरी दीवारों पर अभी तक प्लास्टर नहीं हो सका है। दीवार के पास खर पतवार उगने से सांप स्कूल तक में आ जाते हैं।

यूपी सरकार के शिक्षा और विकास के दावों की पोल खोलता टिहुलिया गांव का यह उच्च प्राथमिक विद्यालय निर्माण दो दशकों बाद भी अधूरा है। कुल 162 छात्र-छात्राओं की संख्या वाले इस विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भगवान भरोसे है। बच्चों के अभिभावकों ने कहा कि सांप, बिच्छू, मच्छरों आदि से बच्चों को बचाने की जिम्मेदारी किसकी होगी।

टिहुलिया स्कूल की दीवार के पास लगी खर पतवार। ● अमृत विचार

- दीवार के पास उग आए हैं खर पतवार, जिम्मेदार बेपरवाह

प्रधानाध्यापक शिव प्रमोद कनौजिया ने बताया यह भवन बजट के अभाव में अधूरा था, तब से अब तक बजट ही स्वीकृत नहीं हुआ है। कई बार ग्राम प्रधान व शिक्षा विभाग के अधिकारियों से भी कहा किसी ने ध्यान नहीं दिया। ग्राम प्रधान दुर्गेश कटियार ने बताया कि विद्यालय कायाकल्प में बजट स्वीकृत हुआ था।

उसमें टॉयलीकरण, बाउंड्रीवाल, इंटरलॉकिंग कार्य शुरुआत में ही कराया था, तब से बजट नहीं आया है, जिससे स्कूल भवन की दयनीय दशा हो रही है।

# डीएम ने बीआरसी सेंटर का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार:** जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम ने एआईआर के मद्देनजर सदर तहसील पहुंचकर बीआरसी सेंटर पर डिजीटाइजेशन कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की जानकारी लेने के साथ गणना प्रपत्रों का डिजी टाइजेशन का कार्य निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने गुरुवार को सदर तहसील पहुंचकर बीआरसी सेंटर पर विधानसभा 127 व 128 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेंटर पर किए जा रहे डिजीटाइजेशन कार्यों का जायजा लेने के साथ संबंधितों से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गणना प्रपत्रों का डिजीटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय सीमा में शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मतदाता आयोग की वेबसाइट पर जाकर वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली को डाउनलोड कर अपना नाम देख सकते हैं। इसके साथ वोटर्स

डीसीसी सेंटर में जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- डीसीसी में सुपरवाइजरों व बीएलओ से जानकारी कर धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरने की सुविधा भी प्रदान की गई है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वह स्वयं भी ऑनलाइन एसआईआर के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बनाई गई वेबसाइट पर अपने आवेदन पत्रों में निर्धारित जानकारियां भरकर स्वयं अपलोड कर सकते हैं। इससे पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने डिस्ट्रिक्ट कांटेक्ट सेंटर (डीसीसी) का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टाफ मौके पर मौजूद मिला। इस दौरान उन्होंने अलग अलग स्तर पर किए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण संबंधी कार्यों की समीक्षा की। सेंटर से ही सुपरवाइजर एवं बीएलओ से दूरभाष पर कार्य की प्रगति की जानकारी लेने के साथ धीमी गति से हो रहे कार्य पर कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही गणना प्रपत्रों के वितरण और डिजिटाइजेशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

## रोटरी क्लब के मेडिकल कैंप में 152 का हुआ परीक्षण

**गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः** रोटरी क्लब गोला सेंट्रल ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया, जिसमें 152 लोगों का परीक्षण कर दवाइयां वितरित की गईं।

शिविर प्रभारी रोटेरियन उमेश जायसवाल की देखरेख में लगाये गये इस शिविर का शुभारंभ नगर के वरिष्ठ समाजसेवी मधुसूदन गिरि एवं डॉ. जेपी जायसवाल ने दीप प्रज्वलन कर किया। शिविर में फिजिशियन एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव जायसवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मौसमी जायसवाल और दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ. मधुकर गिरि एवं डॉ. मनी त्रिवेदी ने 152 मरीजों की जांचें की। रोटरी क्लब अध्यक्ष अभिषेक राजपूत, रोटरी सचिव प्रमोद वर्मा, पंकज पुरवार, महेंद्र गिरि, रविंदर सिंह, नवीन जोशी, पुनीत साहनी, चंदन सेठी, बली मोहम्मद, प्रेम जायसवाल, सबील ख़ान, मुकेश कुमार, श्वेता दीक्षित आदि मौजूद रहे।

# प्रधान-सचिव व केयरटेकर सम्मानित

केयर टेकर को सम्मानित करते सीडीओ व डीपीआरओ। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार :** सामुदायिक शौचालय के बेहतर संचालन में ग्राम पंचायत पिपरिया अगरु द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त करने पर सीडीओ एवं डीपीआरओ ने प्रधान-सचिव समेत केयर टेकर को सम्मानित किया।

बुधवार को लखनऊ में पंचायती राज निदेशालय परिसर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कम्युनिटी सेनेट्री कॉप्लेक्स श्रेणी में जनपद की पिपरिया अगरु ग्राम पंचायत को पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पुस्कृत किया था। यह पुरस्कार पंचायत राज विभाग की ओर से गई टीम को दिया गया। इधर गुरुवार को सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास और डीपीआरओ रोहित भारती ने ग्राम पंचायत को मिली इस उपलब्धि पर ग्राम प्रधान भगवान दास, सचिव राकेश शर्मा, केयर टेकर पुष्पा देवी समेत एडीओ पंचायत को सम्मानित किया।

### परामर्श केंद्र पर एक दंपती का समझौता हुआ

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन में महिला परामर्श केंद्र पर 30 पत्रावली की सुनवाई हुई, जिसमें एक दंपती का समझौता हुआ। सदर बाजार थाना क्षेत्र में एक दंपती की शादी को चार साल हो गए है। घरेलू विवाद को लेकर पति मारपीट करता था। उसकी पत्नी पांच माह से मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र पर बुलाया गया। दोनों पक्षों की वार्ता करायी गयी। दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। दोनों को एक साथ विदा किया गया। इस अवसर पर महिला उप निरीक्षक मधु यादव, महिला मुख्य आरक्षी चंद्रकांता शर्मा, सिपाही मोनिका और पिंकी मौजूद रही।

# बिना कार्य कराए 67 महिला श्रमिकों को भेजी रकम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- लोकपा मनरेगा की जांच में हुआ खुलासा, रिकवरी के आदेश
- बीडीओ समेत छह पर एक-एक हजार जुर्माना, अमरिया ब्लाक का मामला

**अमृत विचार :** अमरिया ब्लाक की एक ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कराए गए कार्य के दौरान बिना कार्य कराए ही महिला श्रमिकों के खाते में धनराशि भेजने का फर्जीवाड़ा सामने आया है। जांच में मामला सही पाए जाने के बाद लोकपाल मनरेगा ने ग्राम प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायक से रिकवरी करने के आदेश दिए हैं। वहीं नियमावली के उल्लंघन पर बीडीओ समेत छह कर्मियों ने एक-एक हजार रुपये जुर्माना भी डाला गया है।

मामला अमरिया ब्लाक की ग्राम पंचायत अमखिड़िया का है। शिकायत मिली कि ग्राम पंचायत में बीते 26 व 28 जून को मनरेगा के माध्यम से दो कार्य कराए गए। पोर्टल पर मस्टरोल में महिला श्रमिक तो दिखाए गए, लेकिन मौके पर कोई भी महिला श्रमिक कार्य करने ही नहीं पहुंची। इस पर लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने जांच की। जांच के दौरान एनएमएमएस पोर्टल पर अपलोड मस्टरोल में किसी भी महिला श्रमिक का फोटो नहीं मिला। जांच में पाया गया कि 18 मस्टरोल के द्वारा लगभग 67 महिला श्रमिकों का मजदूरी का भुगतान बिना कार्य कराए ही खातों में भेज दिया गया। इस पर लोकपाल मनरेगा ने कार्यक्रम अधिकारी/बीडीओ अमरिया से जांच आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जांच आख्या न मिलने पर लोकपाल मनरेगा की ओर से तीन रिमाइंडर भी भेजे गए। इस पर लोकपाल मनरेगा ने संबंधित मनरेगा कर्मियों ने कार्यालय में प्रस्तुत होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए। इस पर भी कोई कर्मी अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचा। इस बीच बीते 01 नवंबर को प्रकरण की जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई, मगर जांच रिपोर्ट पूर्णतया कूटरचित पाई गई। इस पर लोकपाल मनरेगा ने जांच रिपोर्ट को भ्रामक मानते हुए दोबारा मनरेगा कर्मियों को कार्यालय पर उपस्थित होकर पक्ष रखने के निर्देश दिए। इस पर भी कोई अपना पक्ष रखने नहीं पहुंचा। इस पर लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने प्रकरण में धनराशि का दुरुपयोग पाते हुए संबंधित ग्राम पंचायत के प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायक से समानुपातिक रुप से रिकवरी के आदेश जारी किए हैं। लोकपाल मनरेगा जीएल वर्मा ने बताया कि मनरेगा कार्यो में लापरवाही बरतने कार्यक्रम अधिकारी अमरिया, एपीओ शुभम सक्सेना, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत अधिकारी तकनीकी सहायक पर एक-एक हजार रुपये जुर्माना भी वसूलने की संस्तुति की गई। इस प्रकरण में संबंधित पंचायत सहायक पर विधिक कार्यवाही भी संस्तुति की गई है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल परीक्षा का प्रमाण पत्र सन् 2016 जिसका अनुक्रमांक 1010172 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शिवम पुत्र प्रेमशंकर निवासी ग्राम रतनपुर परगना व तहसील बिसौली जिला बदायूं**

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19.11.2025 को घर से कचहरी फोटो स्टेट कराने जाते समय मेरी बी.कॉम की डिग्री रास्ते में कहीं गिर गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **शिल्पी गुप्ता पुत्री राजीव कुमार गुप्ता पत्नी श्री मयंक गुप्ता निवासी 5/116 सिविल लाइन्स, चौपुला, बरेली।**

**वैधानिक सूचना :-** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

पता : सेक्टर-7, राम गंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली

द्वारा आयोजित

निःशुल्क भगन्दर, बवासीर/पाइल्स, नासूर, मस्से, PNS का चिकित्सा शिविर

धागा विधि (क्षारसूत्र) द्वारा भगन्दर, बवासीर/पाइल्स, नासूर, मस्से PNS आदि का सफल इलाज

परीक्षण, उपचार एवं ऑपरेशन अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।

यदि आप निम्न लक्षणों से पीड़ित है तो एक बार अवश्य डोहरा रोड स्थित रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में दिखायें।

- शौच के समय मल द्वार से खून आना (बवासीर/मस्से/Piles)
- गुदामार्ग के पास फोड़ा होना, मवाद (पस) आना (नासूर/भगन्दर)
- कब्ज़ की शिकायत रहना
- शौच के समय दर्द एवं जलन रहना
- बच्चों के मलद्वार से खून आना, दर्द होना, कब्ज़ की शिकायत होना

शिविर में आये हुये मरीजों की निःशुल्क शुगर की जाँच

निःशुल्क परामर्श

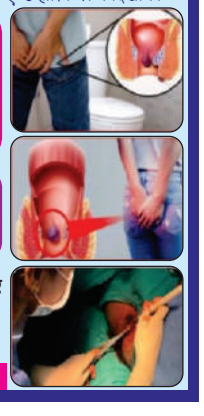

- धागा विधि (क्षारसूत्र) द्वारा भगन्दर, बवासीर, PNS का सफल इलाज
- आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर

शिविर का स्थान

किरण हेल्थ केयर, सरकारी अस्पताल के गेट पर, नियम जगतपुर पुलिस चौकी, बरेली

दिनांक : 22-11-2025, शनिवार, समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक

शिविर का लाभ लेने के लिए निम्न नम्बर पर फोन करके रजिस्ट्रेशन करवायें

मो. 8077808309

नियमित सेवायें : क्षारसूत्र चिकित्सा की क्षारसूत्र विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा कमरा नं0 10

## न्यूज ब्रीफ

### विभिन्न मामलों में पांच आरोपी गिरफ्तार

**बेलरायां, अमृत विचार :** कोतवाली तिकुनिया प्रभारी निरीक्षक पुष्प राज कुशवाहा ने बताया कि पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे शफीक निवासी खमरिया कोईलार, वीर सिंह निवासी नयापिण्ड खैरटिया, गज्जी उर्फ गज्जन निवासी खैरटिया, परशुराम निवासी सिसवारी और शेर सिंह निवासी रननगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों का चालान भेजा है।

### जहरीला पदार्थ खाने से युवक कीमौत

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** कोतवाली गोला क्षेत्र के गांव विलियमगंज निवासी 45 वर्षीय राम सिंह ने बुधवार की दोपहर अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। परिजन उनको गंभीर हालात में सीएचसी गोला लेकर पहुंचे। जहां से हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में राम सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

### घर में घुसे चोर ले गए मोबाइल

**मझगई। अमृत विचार :** थाना क्षेत्र में चोरियों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। गांव कंधरहिया निवासी अतुल कुमार ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद वह रोज की तरह मोबाइल सिरहाने रखकर सो गया था। सुबह उठे तो देखा कि मोबाइल गायब था। गनीमत रही कि चोर घर से कोई और सामान नहीं ले गए। उन्होंने मोबाइल चोरी होने की तहरीर पुलिस को दी है, लेकिन अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

### हादसे में साइकिल सवार की मौत

**गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार :** कोतवाली क्षेत्र के अलीगंज बिजुआ मार्ग स्थित रसूल पनाह गांव निवासी संदीप ने बताया कि उनके पिता रामप्रसाद (65) पुत्र बिहारीलाल गुरुवार शाम गांव के सिद्ध बाबा स्थान से साइकिल से घर लौट रहे थे। रास्ते में अज्ञात बाइक सवार ने साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे रामप्रसाद सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। गंभीर घायल रामप्रसाद को सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# गनर पर तमंचा ताना, राइफल छीनने की कोशिश

## खनन निरीक्षक की पूरी टीम को ट्रैक्टर चढ़ाकर मारने का किया प्रयास, दो ट्रैक्टर-ट्राली की गईं सीज, कई लोग हुए फरार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

**अमृत विचार:** थाना सिंगाही क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने गई टीम पर खनन माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्होंने खनन निरीक्षक के गनर के सीने पर तमंचा तान दिया और उसकी राइफल छीनने का प्रयास किया। यही नहीं, माफियाओं ने सरकारी टीम को कुचलने के इरादे से ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। किसी तरह टीम ने खुद को बचाते हुए दो बालू भरी ट्रैक्टर-ट्रालियां पकड़ लीं, जबकि दो ट्रैक्टर-ट्रालियां मौके से फरार हो गईं।

सिंगाही थाने पर खड़ी सीज की गई ट्रैक्टर-ट्राली। ● अमृत विचार

अमृत विचार में प्रकाशित खबर की पीडीएफ।

थाना सिंगाही क्षेत्र के मोतीपुर के पास से निकली जौरहा नदी से कई सालों से बड़े पैमाने पर दिन-रात बालू का अवैध खनन हो रहा था। इस कारोबार में पुलिस और तहसील निघासन के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता के कारण माफियाओं के हौसले बुलंद हो गए थे। इसी का परिणाम है कि खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा था। 10 नवंबर के अंक में अमृत विचार ने खबर प्रकाशित कर अवैध खनन के काले कारोबार का सच उजागर किया था। खबर को शासन ने गंभीरता से लिया और कार्रवाई के निर्देश जिला प्रशासन को दिए थे।

18 नवंबर की रात करीब 11 बजे खनन अधिकारी आशीष सिंह ने मोतीपुर के भौका घाट पर छापा मारा। इस दौरान टीम ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बालू परिवहन करते पकड़ी गईं। इनमें दो ट्रॉली बालू से भरी हुईं थीं, जबकि दो खाली ट्रॉली बालू भरने जा रही थीं। वाहन चालकों के मोबाइल जब्त कर टीम ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंचती, इससे पहले ही मोतीपुर निवासी मुन्ना खान, कल्लू पुरवा निवासी हीरालाल, कोतवाली तिकुनिया के गांव तकिया पुरवा निवासी रविंद्र भार्गव और बंजरिया फार्म थाना सिंगाही निवासी फतेह सिंह मौके पर चार-पांच अन्य साथियों के साथ पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करते हुए खनन अधिकारी से गाली-गलौज हाथापाई करने की कोशिश की।

आरोप है कि हमलावरों ने गनर प्रदीप कुमार पर तमंचा लगाकर उसकी राइफल छीनने का भी प्रयास किया। इसी दौरान दो खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके का फायदा उठाकर भाग निकले। रोकने का प्रयास करते समय अवैध खनन में शामिल लोगों ने टीम पर वाहन चढ़ाने की कोशिश भी की। नामजद आरोपी खनन माफिया बताये गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने मौके पर पकड़ी गई बालू भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कराया गया। जांच में सामने आया कि गांव सिगहा कला के पास जोहरा नदी के भौकाघाट व पोखरीघाट क्षेत्र में करीब 9,518 घन मीटर अवैध बालू खनन किया गया था। दोनों स्थानों के जीपीएस लोकेशन भी दर्ज की गईं।

खनन अधिकारी ने बताया कि आरोपी पूर्व में भी अवैध खनन में संलिप्त रह चुके हैं और उन पर पहले भी कार्रवाई की गई थी। रात के अंधेरे में चोरी-छिपे किया जा रहा यह अवैध खनन न केवल राजस्व का नुकसान कर रहा था बल्कि सार्वजनिक सड़कों को भी क्षति पहुंचा रहा था। सिंगाही पुलिस ने खनन निरीक्षक की तहरीर पर उ.प्र. उपखनिज (परिहार) नियमावली 2021 के नियम 3, 58, 72 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4/21 समेत संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### माफियाओं की संपत्ति की जांच की उठी मांग

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि जौराहा नदी के सिंगाही क्षेत्र में स्थित कोला घाट, पोखरी घाट, दरेहटी घाट, भौका घाट और मांझा घाट पर मोतीपुर और तकियापुरवा के खनन माफिया काफी लंबे अरसे से पुलिस और तहसील के अधिकारियों की संलिप्तता से करते चले आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से जलौनी लकड़ी लाकर और दूसरों के खेतों में काम करने वाले अब खनन माफिया हो गए। धंधे से जुड़े लोगों ने जेसीबी, की ट्रैक्टर-ट्राली और आलीशान कोठियां बना ली हैं। लोगों ने मांग की है कि इन माफियाओं की संपत्ति की जांच कराकर कार्रवाई की जाए।

### तालाब में डूबने से युवक की मौत

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार:** थाना भीरा के गांव सूरजपुर निवासी लवकुश कुमार बुधवार को अपने चचेरे बड़े भाई प्रमोद के घर उदयपुर महेवा आया था। गुरुवार की सुबह करीब 08:30 बजे घर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज के पीछे स्थित तालाब की तरफ गया था। बताते हैं कि वह तालाब में गुजरी का फूल तोड़ने के लिए घुसा था। गहराई का अंदाजा न होने के कारण वह गहरे पानी में जाकर डूब गया। करीब तीन घंटे के बाद कुछ लोगों ने एक शव तालाब में उतराता देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। काफी बड़ा तालाब होने और गहराई अधिक होने के कारण फायर बिग्रेड को मौके पर बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने गोताखोरों के सहयोग से रेस्क्यू कर कड़ी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला। शव की पहचान लवकुश के रूप में हुई। सूचना पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। शव देख उनमें चीख पुकार मच गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

# सीसीटीवी में कैद हुआ चोर, फिर भी जांच सुस्त

संवाददाता, भानपुर

**अमृत विचार:** भीरा थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रहीं। बीते शनिवार की रात नगर के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन मार्ग पर एक परचून की दुकान में हुई बड़ी चोरी ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोर की सीसीटीवी फुटेज और फोटो पुलिस के हाथ लगने के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

दुकान में चोरी करते युवक का सीसीटीवी फुटेज। ● अमृत विचार

भीरा नगर निवासी बलदेव राज जुनेजा की परचून दुकान का ताला और शटर तोड़कर अज्ञात चोर बीते शनिवार को करीब 50–60 हजार रुपये की नकदी, हजारों रुपये का परचून का सामान चोरी कर ले गए थे। साथ ही दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़कर सबूत मिटाने की कोशिश की। यह दुकान प्रमुख चौराहे से महज 40 मीटर दूरी पर स्थित है, जहां दिन और रात भर आवाजाही रहती है। दुकान मालिक की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज की, लेकिन खुलासे के लिए एक कदम अभी तक नहीं बढ़ाया। चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कैमरे को नुकसान पहुंचाने के बावजूद एक वीडियो और फोटो चोर की पुलिस को मिल चुकी है, लेकिन जांच अभी भी ठहरी हुई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भीरा थाना क्षेत्र में बीते महीनों में हुई कई चोरी की घटनाओं का भी खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मात्र एफआईआर दर्ज कर मामलों को ठंडे बस्ते में डाल देती है, जिससे अपराधियों के हौसले और बढ़ते जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस सक्रियता दिखाए और गश्त बढ़ाए तो इन घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है।

● पुलिस की सुस्ती से अपराधियों के बढ़े हौसले

### मायके गई पत्नी पिता ने भेजने से किया इनकार

**गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार:** हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव दतेली निवासी राजकुमार पुत्र बैजूराम ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसका विवाह 15 वर्ष पूर्व बिहार प्रदेश के जिला बेगूसराय के थाना डंडारी गांव महदीपुर निवासी सरिता देवी पुत्री अशर्फी लाल के साथ हुआ था। 28 अक्टूबर को उनकी पत्नी सरिता देवी बिना किसी को बताए मायके चली गई। खोजबीन करने पर पता चला तो उन्होंने ससुर अशर्फीलाल से पूछा कि उनकी पत्नी आपके यहां है तो उसे भेज दें। उन्होंने कहा उसे अब नहीं भेजेंगे। पीड़ित ने बताया उसके 10 वर्ष का एक पुत्र है जिसको भी उनकी पत्नी छोड़ गई है। उन्होंने पुलिस में तहरीर देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

# दुर्घटना में बाइक सवार की मौत, साथी घायल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● खीरी-लहरपुर मार्ग पर बैरागर के पास हुआ हादसा

**अमृत विचार:** गन्ना सेंटर से वापस आ रहे बाइक सवार को थाना खीरी क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना खीरी क्षेत्र के गांव लगुचा निवासी उमा पाल का बेटा देवेंद्र सिंह (40) गुरुवार की सुबह करीब 10 बजे अपने साथी राजन के साथ बाइक से बैरागर पेट्रोल पंप के आगे स्थित गन्ना सेंटर पर गया था। वहां से घर वारस आते समय बैरागर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे दोनों बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस 108 की मदद से जिला अस्पताल भेजा, जहां डाक्टर ने देवेन्द्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजन का इलाज चल रहा है।

हादसे में मौत की खबर मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंच गए। शव देख उनमें चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

# सीमा पर दोनों देशों ने की संयुक्त गश्त

संवाददाता, पलिया कलां

**अमृत विचार:** एसएसबी 39 वीं बटालियन गदनिया की नेपाल सीमा पर स्थित कीरतपुर समवाय में तैनात जवानों ने गुरुवार को कार्यवाहक कमांडेंट के निर्देश पर नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवानों के साथ संयुक्त गश्त की और दोनों देशों की सीमा पर लगे पिलर भी देखे।

सशस्त्र सीमा बल के द्वितीय कमान अधिकारी एवं कार्यवाहक कमांडेंट माधव चंद्र घोष के निर्देश पर कीरतपुर चौकी के जवानों ने नेपाल की एपीएफ 35वीं वाहिनी के डोडा चौकी के जवानों के साथ गुरुवार को पिलर संख्या 753/1 से 758/1 तक संयुक्त गस्त की। जिसका प्रमुख उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाना और आपसी समन्वय स्थापित करना था। गस्त के दौरान दोनों ओर के जवानों ने सीमा पर लगे स्तंभों की जांच की व आने -जाने वाले लोगों पर नजर रख संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण भी किया।

नेपाल सीमा पर स्तंभों की जांच कर लोगों पर नजर रखते दोनों देशों के जवान।

● नेपाल सीमा पर लगे स्तंभों की भी की गई जांच

### प्रसूता की डिलीवरी के बाद हालत बिगड़ी, हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● मायके पक्ष ने प्रसूता की ससुराल में जाकर किया हंगामा

**अमृत विचार:** जिला महिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ गई। डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई।

थाना फरधान के गांव बौंठा निवासी शुभम पांडेय की पत्नी सोनम (26) को बुधवार को प्रसव पीड़ा हुई तो जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सोनम ने एक बच्चे को जन्म दिया। कुछ देर बाद सोनम की हालत बिगड़ गई। डॉक्टरों ने रात में लखनऊ रेफर किया। परिजन सोनम को लखनऊ ले जा रहे थे, रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मृतका के पति शुभम पांडेय ने बताया कि सोनम की मौत होने पर वह शव घर लेकर पहुंचे। मायके पक्ष के लोग बड़ी संख्या में घर आए और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस को सूचना दी। मौके पर मजिस्ट्रेट भी आए, लेकिन मायका पक्ष शव पोस्टमार्टम कराने पर अड़ गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, लेकिन उसका कहना है कि मायके वाले सिर्फ दबाव बनाकर, रुपये ऐठने की फिराक में हैं।

# प्रभारी मंत्री आज करेंगे योजनाओं की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में रहेंगे
● कार्यकर्ताओं और व्यापारियों से भी करेंगे वार्तालाप

**अमृत विचार:** जिले में विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय को मजबूत बनाने के लिए प्रभारी मंत्री शुक्रवार को आएंगे। वह दोपहर में जिलाधिकारी कार्यालय स्थित सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसमें कई लंबित परियोजनाओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सीधे मंत्री स्तर पर निर्णय लिए जाने की संभावना है।

प्रभारी मंत्री यहां दोपहर एक बजे आएंगे। बैठक से पहले प्रभारी मंत्री पीडब्ल्यूडी के निरीक्षण भवन में अपने कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद से करेंगे।

बताया जा रहा है कि मंत्री जमीनी स्तर पर संगठन की स्थिति, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय मुद्दों को समझने के लिए कार्यकर्ताओं से सुझाव भी लेंगे। पिछले कुछ समय से संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी आने के चलते यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। मंत्री अपने दौरे के दौरान जिले के प्रमुख व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों से भी भेंट करेंगे। व्यापारियों से बाजार व्यवस्था, कराधान, सड़क और पार्किंग समस्या आदि से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत वार्ता होने की उम्मीद है।

व्यापार मंडल ने पहले से ही कई सुझाव मंत्री तक पहुंचाने की तैयारी कर ली है। इसके बाद दो बजे से प्रभारी मंत्री जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में विभिन्न विभागों लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, पेयजल, विद्युत, कृषि आदि के अधिकारी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि जिन परियोजनाओं में देरी या लापरवाही पाई गई, उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

**दिक्कत** डीजल से सिंचाई करने पर बढ़ा किसान का खर्च, खेती का लागत हो रही दोगुनी

# 4 माह से सूखी पड़ी नहर, संकट में रबी की फसलें

संवाददाता, भानपुर

**अमृत विचार:** भीरा क्षेत्र में चार महीनों से नहर में पानी न छोड़े जाने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। रबी सीजन में सिंचाई का मुख्य स्रोत सूखा रहने से किसानों को मजबूरन डीजल इंजन के सहारे सिंचाई करनी पड़ रही है। डीजल की बढ़ी कीमतें और इंजन का अतिरिक्त खर्च किसानों पर भारी पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत दोगुनी हो गई है।

भवानीपुर, भानपुर, गडरियापुरवा, भीरा सहित कई गांव नहर पर निर्भर हैं। किसानों का कहना है कि सिंचाई विभाग की लापरवाही का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। खेतों में समय पर पानी न मिलने से गेहूं, मसूर, सरसों जैसी रबी फसलें कमजोर पड़ने लगी हैं। कई किसानों ने बताया कि पानी न मिलने से खेतों में दरारें पड़ने लगीं और फसलें सुर्ख होने लगी हैं। किसानों ने बताया कि इंजन से सिंचाई करने में न सिर्फ अधिक खर्च आता है, बल्कि समय भी कई गुना बढ़ जाता है। डीजल की बढ़ती कीमतों ने लागत और बढ़ा दी है। अगर नहर से पानी मिले तो सिंचाई की लागत आधी हो सकती है और फसल की पैदावार भी बेहतर रहती है। किसानों का कहना है कि वे पिछले चार महीनों से नहर में पानी छोड़ने की मांग कर रहे हैं। कई बार विभागीय अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन आज तक नहर में पानी छोड़ने की कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसान विभाग की इस अनदेखी से नाराज हैं और जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

000000000000 ● अमृत विचार

नहर में सिल्ट सफाई आदि का काम चल रहा है। इस वजह से पूरे उत्तर प्रदेश में नहरों का पानी बंद है। दिसंबर में पानी आ जाएगा।
–अशोक कुमार, जेई नहर विभाग।

चार महीने से नहर में पानी नहीं आ रहा। इंजन से सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे डीजल का खर्च बढ़ गया है और पैदावार कम हो रही है।
–जगदीश कुमार, किसान।

रबी की फसल के समय भी नहर सूखी है। मजबूरी में डीजल पर खेत सींच रहे हैं। डीजल इतना महंगा है कि लागत ही नहीं निकल रही।
–सुमिन्दर, भवानीपुर

इंजन से सिंचाई में डीजल बहुत लगता है और समय भी ज्यादा लगता है। इतनी मेहनत और खर्च के बाद बचत लगभग नहीं के बराबर है।
–सुरेश कुमार, किसान।

ऊपर से छोटे पशु फसलें नुकसान पहुंचा रहे हैं। नहर में पानी नहीं, डीजल महंगा है। ऐसे में किसान की हालत और बिगड़ती जा रही है।
–कौशल राज, किसान।

### घर में सेंध लगाकर दो लाख की चोरी

**सिंगाही ,अमृत विचार:** थाना क्षेत्र के टांडा मजरा बथुआ गांव में चोर एक मकान में नकब लगाकर घर के अंदर घुस गए और जेवर समेत करीब दो लाख रुपये का सामान चोरी कर भाग निकले। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है। खास बात यह है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरियों के बाद भी पुलिस कोई कारगर कदम नहीं उठा पा रही है।

गांव टांडा निवासी आरिफ ने बताया कि वह परिवार के साथ घर में सो रहा था। रात किसी समय नकब लगाकर चोर घर के अंदर घुस गए। कमरों में रखे बक्से आदि का ताला तोड़कर चोर एक जोड़ी सोने की झुमकी, एक सोने का बलाका, चार चांदी की पायल, 12 रुपये चांदी के एक गैस सिलेंडर, पीतल के बर्तन, कपड़े तथा परिवार के आधार कार्ड समेत करीब दो लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सुबह तब हुई जब परिवार के लोग सोकर उठे और कमरों में गए तो नकब और कमरों में बिखरा सामान देखा। यह देख परिवार के लोग सन्न रह गए। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई आकाश भाटी को जांच सौंपी है।

# बस अड्डा नहीं, सड़क पर खड़ी हो रहीं बसें

संवाददाता, पलिया कलां

**अमृत विचार:** नगर के लिए लंबे समय से रोडवेज बस अड्डे की आवश्यकता महसूस की जा रही है, लेकिन अब तक कोई व्यवस्था न होने से रोडवेज बसें सीधे मुख्य मार्ग पर ही खड़ी की जा रही हैं। इससे जहां दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, वहीं दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस चौकी चौराहा होने के बावजूद बसों का सड़क किनारे रुकना यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर देता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पलिया नगर से दिल्ली, जयपुर, मथुरा, बरेली, लखनऊ, कानपुर, शाहजहांपुर, गौरी फंटा सहित कई प्रमुख मार्गों पर रोडवेज की बसें संचालित होती हैं। बस अड्डा न होने के कारण इन सभी रूटों की बसें पुलिस चौकी के पास सड़क पर ही यात्रियों को बैठाने व उतारने के लिए रुकती हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब एक ही स्थान से स्कूल वाहन, निजी कारें, बाइक, ई-रिक्शा और भारी संख्या में पैदल राहगीर गुजरते हैं। तहसील और कई शासकीय कार्यालय आसपास स्थित होने से यहां स्वाभाविक रूप से भीड़ अधिक रहती है। ऐसे में बसों के सड़क पर खड़े रहने से जगह अत्यंत कम पड़ जाती है और कुछ ही मिनटों में लंबा जाम लग जाता है। राहगीरों को सड़क पार करना जोखिम भरा हो जाता है। कई लोग शिकायत करते हैं कि वाहन चालकों को अचानक बस के सामने से निकलना पड़ता है, जिससे अक्सर बाइक सवार और साइकिल चालकों के टकराने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। लोगों का कहना है कि यह स्थिति किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है।

पलिया पुलिस चौकी के पास सड़क पर खड़ी रोडवेज बसें। ● अमृत विचार

● यातायात बाधित, हादसों का खतरा हर वक्त बना रहता

व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने इसे शहर के प्रमुख मुद्दों में से एक बताते हुए प्रशासन से तत्काल समाधान की मांग की है। नगर व्यापार मंडल महामंत्री जसवीर फ्लोरा ने कहा कि वर्षों से पलिया में एक सुव्यवस्थित बस अड्डा बनाने की मांग लंबित है। उन्होंने प्रशासन को चेताया कि यदि जल्द उचित स्थान चयन कर बस अड्डा निर्माण की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो पलिया व आसपास के हजारों यात्रियों को इसी प्रकार जोखिम उठाते रहना पड़ेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस अड्डा न होने से न केवल यातायात बाधित होता है बल्कि शहर की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान दे तो बस अड्डा बनाकर न सिर्फ शहर को जाम से राहत दी जा सकती है, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावनाओं को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है। नगर वासियों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन और परिवहन विभाग जल्द ही समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाएगा, ताकि पलिया को एक सुरक्षित और व्यवस्थित बस अड्डा मिल सके।

## न्यूज ब्रीफ

### राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिले में 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत जनपद न्यायालय लखीमपुर-खीरी के साथ सभी तहसीलों में एक साथ आयोजित होगी। अपर जिला जज नोडल अधिकारी अभिषेक कुमार श्रीवास्तव व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जिला जज सचिव वीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने बताया कि इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। लोक अदालत में यातायात और लघु आपराधिक प्रकरण, नगर पालिका से जुड़े विवाद, बैंक वाद, विद्युत एवं जल विवाद, विशेषकर चोरी संबंधी मामले, राजस्व वाद, पारिवारिक एवं व्यवहारिक मामले, उत्तराधिकार व अन्य समझौतापरक वाद मामलों को प्राथमिकता के साथ सुना जाएगा।

### पांच दिन बाद भी नहीं लगा किशोरियों का सुराग

**मितौली, अमृत विचार :** घर से बाजार को आई थाना क्षेत्र के मैनहन से गायब हुई दो किशोरियों का पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस सुराग नहीं लगा पाई है। परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका जता रही है। वहीं पुलिस जाँच पड़ताल में जुटी है। थाना क्षेत्र के मैनहन गांव में रविवार को अनुभवी देवी (12) अपने चाचा की पुत्री आरती देवी (13) के साथ मितौली बाजार आई थी। जहां से वापस घर नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन किशोरियों का कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है।

### आशाओं का सात माह से नहीं मिला वेतन

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचार :** सात माह से वेतन और अन्य भुगतान न मिलने से नाराज आशाओं ने सीएचसी रमियाबेहड़ पर प्रदर्शन किया और अधीक्षक मृदुल कुमार शुक्ला को ज्ञापन सौंपा। आशाओं का कहना है कि व और संगिनी विभिन्न कार्यों के लिए घोषित प्रोत्साहन राशियों से वंचित हैं। वर्ष 2019 से लंबित भुगतानों की मांग कर रही हैं। गोल्डन आयुष्मान कार्ड और आरोग्य भारत योजना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का भी अब तक भुगतान नहीं किया गया है। आशाओं ने मांगे पूरी न होने पर 15 दिसंबर से सामूहिक कार्य बंदी का ऐलान सौंपे गए ज्ञापन में किया है।

# पलिया में धूमधाम से निकाली एक किमी लंबी विशाल एकता पदयात्रा

## लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर तिरंगे की शान के साथ उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता, पलिया कलां

सरदार पटेल जयंती पर निकाली विशाल एकता यात्रा में शामिल विधायक रोमी साहनी।

**अमृत विचार:** लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर बुधवार को पलिया नगर में एकता और राष्ट्रभावना की अद्भुत छटा देखने को मिली। भाजपा विधायक रोमी साहनी के नेतृत्व में विशाल एकता पदयात्रा निकाली गई। पद यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में तिरंगे लहरा रहे थे, जिससे पूरे नगर को देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। लगभग एक किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में हज़ारों लोगों की भागीदारी ने इसे ऐतिहासिक बना दिया।

सुबह विधायक आवास से प्रारंभ हुई यात्रा में जैसे ही कदम आगे बढ़े, सड़कों पर तिरंगा ही तिरंगा दिखाई देने लगा। सबसे आगे चल रहे वाहन से बजते देशभक्ति गीतों की गूंज ने माहौल को जोशीला बना दिया। उसके ठीक पीछे राष्ट्रीय ध्वज लोग अपने कंधों पर थामे हुए आगे बढ़ रहे थे, जिसने यात्रा का मुख्य आकर्षण बढ़ा दिया। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न विद्यालयों के हजारों विद्यार्थी ''एकता ज़िंदाबाद, भारत माता की जय और सरदार पटेल अमर रहें जैसे नारे लगाते हुए यात्रा में शामिल रहे। एकता यात्रा दुधवा तिराहा, पुराना बस अड्डा, पुलिस चौकी चौराहा, कमल चौराहा और बाईपास होते हुए पुनः दुधवा रोड स्थित विधायक आवास पर समाप्त हुई। नगर में जगह जगह लोगों ने फूल बरसाकर और मिठाई वितरित कर यात्रा का स्वागत किया।

भाजपा कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा थामे पूरे उत्साह के साथ यात्रा का नेतृत्व करते दिखाई दिए। यात्रा में एमएलसी उमेश द्विवेदी, ब्लॉक प्रमुख पलिया वीरेंद्र कुमार शुक्ला, नगर पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष उदयवीर सिंह, शारदा मंडल अध्यक्ष शशि शंकर शुक्ला, वरिष्ठ नेता राकेश अर्कवंशी, नरेंद्र सिंह, वरुण मिश्रा, अंशू शुक्ला, बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप मेनरो, पूर्व अध्यक्ष श्रीष द्विवेदी आदि मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल भी जगह-जगह तैनात रहा।

### सरदार पटेल के योगदान का स्मरण

पद यात्रा के बाद आयोजित सभा में विधायक रोमी साहनी ने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति से देश को एक सूत्र में पिरोने का अभूतपूर्व कार्य किया। रियासतों का विलय कर एकीकृत भारत की नींव मजबूत करने में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति को सर्वोपरि बताया।

# बच्चों की सुरक्षा व शिक्षा को दिया संदेश

आंगनबाड़ी केंद्र पर बैठक करते विभागीय अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,

- बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरुकता अभियान में आंगनबाड़ी की भूमिका अहम
- विश्व बाल दिवस पर आयोजित हुई अभिभावकों के साथ बैठकें

**अमृत विचार:** नगर के एक आंगनबाड़ी केंद्र में सेक्टर इंचार्ज, सीडीपीओ, सुपरवाइजर और रॉकेट लर्निंग जिला समन्वयक बृजेन्द्र अग्निहोत्री के निर्देश में अभिभावक शिक्षक बैठक आयोजित की गई। आंगनबाड़ी प्रभारी एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रेमवती ने कहा कि माता-पिता को बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने में जागरूक और जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पौष्टिक आहार, सुरक्षित वातावरण और शोषण व हिंसा से मुक्त बचपन देना अभिभावकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही बच्चों को अपनी भाषा और संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य का निर्माण कर सकें।

कार्यक्रम में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। सभी ने बाल अधिकारों पर जागरूकता बढ़ाने और उन्हें धरातल पर लागू करने की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। बतादें कि जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) भारत प्रसाद ने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में विश्व बाल दिवस पर अभिभावकों के साथ बैठकें आयोजित कराने के निर्देश जारी किए हैं।

# छात्रों ने किया आंचलिक विज्ञान नगरी व चिड़ियाघर का भ्रमण

संवाददाता, मितौली

चिड़िया घर पर मौजूद बच्चे। ● अमृत विचार

- विज्ञान, तकनीक और वन्यजीवों के बारे में जाना

**अमृत विचार:** सत्यम पब्लिक स्कूल मितौली के विद्यार्थियों को एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के दौरान विज्ञान, तकनीक और लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का मौका मिला। विद्यालय प्रबंधक संत कुमार वर्मा और प्रधानाचार्य एसके मौर्य के निर्देश पर 70 सदस्यीय छात्र-छात्राओं के दल ने आंचलिक विज्ञान नगरी और चिड़ियाघर का भ्रमण किया।

चिड़ियाघर में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी और वन्यजीवों को देखकर नन्हें बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ दिखाई दी। वहीं बड़े विद्यार्थियों ने आंचलिक विज्ञान नगरी में विज्ञान से जुड़ी अनेक जानकारियां प्राप्त कीं। मॉडल, प्रयोगों और प्रदर्शनियों को देखते हुए बच्चों ने विज्ञान के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप में समझा। प्रधानाचार्य एसके मौर्य ने बताया कि यह भ्रमण विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम के अनुरूप रखा गया है, ताकि वे सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उसे अनुभव कर सकें। भ्रमण के दौरान बच्चों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं शांत कीं। मौके पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी बच्चों ने उत्साह से भाग लेते हुए सवालों के सटीक उत्तर दिए।

भ्रमण में शिक्षक-शिक्षिकाओं की टीम में शिवशंकर लाल, अमित कुमार, अनिल कुमार, आयषी वर्मा, शिवांशु अवस्थी, आरती शुक्ला, आनंद कुमार शर्मा, विजनलाल, पार्वती यादव, मीनाक्षी सिंह, सुशील राठौर और चांदनी बानो आदि शामिल रहे।

# मुगलाखेड़ा की महिला लापता

**केशवापुर, अमृत विचार:** हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव मुगलाखेड़ा निवासी बुजुर्ग महिला नन्ही देवी (58) 13 नवंबर से लापता हैं। नन्ही देवी के बेटे ने बताया उनकी माता 13 नवंबर को दोपहर दो बजे घर से बिना बताए कहीं चली गईं। रिश्तेदारी और आसपास के सभी संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। उनका दिमागी संतुलन भी ठीक नहीं है। उन्होंने 16 नवंबर को हैदराबाद थाने में तहरीर दी है, लेकिन अभी तक उनकी माता की खोजबीन नहीं हो सकी है। नन्ही देवी के बेटे ने पुलिस से अपील की है कि उनकी माता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की जाए।

नन्हीं देवी।

# आर्य कन्या व पब्लिक इंटर कॉलेज के दिनेश बने प्रबंधक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- डीएम की अध्यक्षता में नियुक्त हुए नए प्रबंधक, एकल संचालन व्यवस्था समाप्त

**अमृत विचार:** पांच वर्षों से अधिक समय से बिना प्रबंधन समिति और एकल संचालन व्यवस्था के तहत चल रहे जिले के तीन अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में आखिरकार नई प्रबंधन समितियों का गठन कर दिया है। लंबे समय से लंबित इस प्रक्रिया में अब गति आई है, जिससे इन विद्यालयों की प्रशासनिक व्यवस्था, शैक्षिक गुणवत्ता और संसाधनों के उपयोग में पारदर्शिता आने की उम्मीद जताई है।

दिनेश तिवारी।

डीएम की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में शिक्षा विभाग के द्वितीय श्रेणी अधिकारी और राजकीय इंटर कॉलेज शारदा नगर के प्रधानाचार्य दिनेश तिवारी को भगवानदीन आर्य कन्या इंटर कॉलेज लखीमपुर और पब्लिक इंटर कॉलेज संपूर्णानगर का प्रबंधक बनाया है। जीआईसी लखीमपुर के प्रधानाचार्य जगत प्रकाश सिंह को गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोला का प्रबंधक बनाया है। जिले के इन सहायता प्राप्त विद्यालय वर्षों से प्रबंधन समिति न होने के कारण एकल संचालन व्यवस्था में चल रहे थे। इससे न विकास कार्य, नियुक्तियां, वित्तीय प्रबंधन और अनुशासन जैसे मुद्दे अटके थे।

# बालिका कॉलेज में लगी हस्तशिल्प प्रदर्शनी

संवाददाता, पलिया कलां

थारू नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं। ● अमृत विचार

- छात्राओं ने बनाई रंगोली, रानी लक्ष्मी बाई पर प्रस्तुत किया लघु नाटक

**अमृत विचार:** नगर के स्टेशन रोड पर स्थित श्री रामलीला बालिका इंटर कॉलेज में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई की जयंती मनाई गई। छात्राओं ने रंगोली बनाकर, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर हस्तशिल्प की प्रदर्शनी भी लगाई।

कक्षा 11 की छात्रा इस्करून, सानिया, साक्षी ,आशियाना ,इलमा, रागिनी आदि ने रानी लक्ष्मीबाई के जीवन चरित्र पर लघु नाटक प्रस्तुत किया।छात्र आलिया, कृतिका, तस्कीन, वैष्णवी आदि ने बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी, कविता का सामूहिक गायन किया। कुछ छात्राओं ने अन्य गीत गायन कर व थारू नृत्य प्रस्तुत कर शमां बांधी।

प्रधानाचार्य डॉ निर्मला सिक्रावर ने रानी लक्ष्मीबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर छात्राओं ने कॉलेज परिसर में एक हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी लगाई, जिसका प्रधानाचार्य के अतिरिक्त प्रबंध समिति के कार्यकारी अध्यक्ष चौधरी तेजपाल सिंह, महामंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय व वरिष्ठ शिक्षक मृदुला चौधरी आदि ने निरीक्षण कर छात्राओं की प्रशंसा की।

# विद्यार्थियों को दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ

गोला के गांधी विद्यालय में छात्रों को शपथ दिलाते शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

**अमृत विचार:** नगर के गांधी स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत शिक्षक रामसनेही ने बच्चों को शपथ दिलाई।

गुरुवार को विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य डॉ. सौरभ दीक्षित ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। आज का युवा विभिन्न प्रकार के व्यसन व नशे की गिरफ्त में पड़कर स्वयं को नुकसान पहुंचा रहा है, जिस कारण समाज में विभिन्न अनैतिक कार्य, व्यभिचार बढ़ गया है। नशे से दूर रहें ताकि हम खुद को सुरक्षित करते हुए परिवार व समाज के हित में कार्य कर सकें। नशा स्वास्थ्य, परिवार और आर्थिक स्थिति को खतरे में डाल सकता है। नशे के सेवन से कई खतरनाक बीमारियां होती हैं। डॉ. राजेश कुमार, आमिर हुसैन, नागेश वर्मा, तेजराम गंगवार, श्रीश गुप्ता, उद्धव श्याम तिवारी, लिपिक राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

# कलश यात्रा के साथ रुद्र महायज्ञ शुरू

पचदेवरा आश्रम से निकली कलश यात्रा में शामिल भक्त। ● अमृत विचार

संवाददाता, मूड़ा सवारान

**अमृत विचार:** रामालक्ष्ना गांव के पचदेवरा बाबा आश्रम पर आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ, श्रीमद् भागवत प्रवचन, रासलीला एवं संगीत सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ भूमि पूजन के साथ हो दया। इस मौके पर शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह कलश यात्रा पर पुष्प वर्षा कर जय घोष किया गया। शुक्रवार से कथा का प्रारंभ होगा।

यज्ञाचार्य ने विधि विधान पूर्वक भूमि पूजन कराया। दोपहर के समय कार्यक्रम स्थल से महिलाएं सिर पर कलश रखकर शोभायात्रा के लिए निकलीं। कलश यात्रा मंदिर परिसर से शारदा नदी के रामनगर घाट पहुंची जहां वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए कलशों में जल भरा गया।

यात्रा के दौरान क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना कर उनका आह्वान किया गया। यज्ञाचार्य पंडित कपिल दिक्षित ने बताया कि 26 नवंबर बुधवार को प्रवचन, कथा, पूजा पाठ, हवन आदि का पूर्णाहुति के साथ समापन होगा। यात्रा के दौरान बज रहे भजनों पर लोग खूब झूमे।

इस दौरान राकेश पांडे, चंद्रभाल विश्वकर्मा, ओमप्रकाश दीक्षित, संतोष राज, त्रिभुवन लाल, पूरनलाल गौतम, प्रेमपाल मिश्रा, रामगोपाल पांडेय, दाताराम मौर्य जसपाल राज, दिनेश मौर्य, जंसराम वर्मा, सुत्तन सिंह, शिवकुमार आदि मौजूद रहे।

# निबंध में मानवी, चित्रकला में आदर्श और रंगोली में माही प्रथम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

नगर पालिका में पुरस्कृत प्रतिभागियों के साथ पालिकाध्यक्ष। ● अमृत विचार

- पालिकाध्यक्ष ने उच्च स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को किया सम्मानित

**अमृत विचार:** स्वच्छ भारत अभियान एवं मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत जन जागरण के लिये नगर पालिका परिषद के आयोजन में विभिन्न विद्यालयों में निबंध, कला एवं रंगोली प्रतियोगिता कराई गई। इन प्रतियोगिताओं में उच्च स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में मानवी गुप्ता इंडियन हेरिटेज एकेडमी प्रथम, अवनी शर्मा शारदे ज्ञान मंदिर द्वितीय, कृपाणी भारद्वाज इण्डियन पब्लिक एकेडमी तृतीय रही। चित्रकला प्रतियोगिता में आदर्श राठौर शारदे ज्ञान मंदिर प्रथम, खुशी सिंह इण्डियन हेरिटेज एकेडमी द्वितीय, कमल रस्तोगी यदुशील शिक्षा निकेतन तृतीय रहे। रंगोली प्रतियोगिता में माही गुप्ता पुत्री छोटे लाल गुप्ता प्रथम स्थान पर रही इसके साथ आरुषि गुप्ता पुत्री अविनाश गुप्ता, स्वाती वर्मा पुत्री पंकज वर्मा, अंशिका पटेल पुत्री योगेन्द्र कुमार वर्मा, गरिमा वर्मा पुत्री कौशल किशोर वर्मा, अंजुम पुत्री जाकिम अली सांत्वना रही।

सभी प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना प्रतिभागियों को नगर पालिका परिषद सभागार में पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला ने प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए कहा कि देश, प्रदेश एवं नगर को स्वच्छ व साफ रखना हमारा कर्तव्य है और हम सबको उसका पालन करना चाहिए। बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गईं। इस अवसर पर अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संदीप वर्मा, लेखाकार मोहित अवस्थी, लाइब्रेरी प्रभारी सुरेन्द्र वर्मा, विमलेश वर्मा, रविन्द्र कटियार, शत्रोहन मिश्रा आदि मौजूद रहे।

# दर्शनशास्त्र और भविष्य विषय पर गोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

गोष्ठी को संबोधित करते विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुभाष चंद्रा। ● अमृत विचार

- युवराज दत्त महाविद्यालय में मेधावी व समाजसेवी छात्राओं का किया गया सम्मान

**अमृत विचार:** युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व दर्शन दिवस दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से दर्शनशास्त्र और भविष्य विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई, जिसका शुभारम्भ प्राचार्य प्रोफेसर हेमन्त पाल एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चन्द्रा ने मां सरस्वती व महाविद्यालय के संस्थापक राजा युवराज दत्त सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाष चन्द्रा ने कहा कि नवंबर माह के तीसरे गुरुवार को यह दिवस उन सभी दार्शनिकों, चिंतकों व समाज सुधारकों को समर्पित है जिन्होंने मानवजाति को स्वतंत्र व नवीन विचारों की दिशा दिखाई। उन्होंने कहा कि दर्शनशास्त्र केवल विचार नहीं, बल्कि लोककल्याण, न्याय, प्रेम और बंधुता को मजबूत करने वाली सार्वभौमिक अभिव्यक्ति है। आज जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब दर्शन की उपयोगिता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। शोधार्थी राहुल गुप्ता ने कहा कि दर्शन जीवन और अनुभवों के विश्लेषण का माध्यम है, जो मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में मार्गदर्शन करता है।

बीएड विभागाध्यक्ष प्रो. विशाल द्विवेदी ने कहा कि योग मनुष्य को उच्च आदर्शों की ओर ले जाने में दर्शन का सहायक साधन है। प्रो. नीलम त्रिवेदी ने यूरोपीय दार्शनिक परंपराओं का उदाहरण देते हुए दर्शन को सकारात्मक चिंतन व नवनिर्माण की प्रेरणा बताया। कहा कि दर्शन ज्ञान के प्रति प्रेम है और यही प्रेम मानव को समाज निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्राचार्य प्रो. हेमन्त पाल ने कहा कि दर्शन जीवन के मूल प्रश्नों के उत्तर खोजने में मार्गदर्शन करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर बौद्धिक क्षमता विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान दर्शनशास्त्र विभाग की पूर्व छात्रा अमरुन निशा को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। वहीं विभाग की प्रतिभाशाली छात्रा दिव्या सिन्हा को लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने पर सम्मान किया गया। दिव्या की माता शिल्पी सिन्हा को सराहनीय नागरिक दायित्वबोध के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रो. सुभाष चन्द्रा ने किया। डॉ. आरपीएस तोमर, प्रो. नूतन सिंह, प्रो. एसके पांडेय, प्रो. ज्योति पन्त, डॉ. इष्ट विभु, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. मानवेंद्र यादव, डॉ. श्वेतांक भारद्वाज, सौरभ वर्मा, दीपक बाजपेई, डॉ. ब्रजेश शुक्ला, विनयतोष गौतम, रचित कुमार, सतेंद्र पाल सिंह आदि के अलावा छात्र-छात्राएं फी मौजूद रहीं।

न्यूज ब्रीफ

## तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने कार में मारी टक्कर

खमरिया, अमृत विचार : मोहल्ला गोविंद नगर कॉलोनी निवासी सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि वह मंगलवार को डिजायर कार से गांव जेठरा रिश्तेदारी में आए थे। शाम करीब 7 :30 बजे घर लौट रहे थे। कार पैकापुर पेट्रोल टंकी के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल, रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में भुसौरिया गांव निवासी नरेश (48) पुत्र संभारी, नगर के खुटार रोड रफात वाली गली निवासी अली (18) पुत्र अहमद रशीद गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

# सड़क दुर्घटना में एक की मौत, नौ घायल

### सवारियों से भरी ईको वैन पीछे से ट्रक में घुसी, वैन चालक को झपकी आने से हुआ हादसा

संवाददाता, संसारपुर

**अमृत विचारः** थाना मैलानी के ग्राम नौआखेड़ा में बुधवार की रात लगभग ढाई बजे हरियाणा के सिवांका गांव से लखीमपुर के फूलबेहड़ थाना क्षेत्र जा रही एक ईको वैन चालक को झपकी आने के कारण पीछे से अज्ञात ट्रक में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी वैन के परखच्चे उड़ गए। वैन में चालक सहित 11 लोग सवार थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला भेज दिया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।

थाना फूलबेहड़ के गांव रामनगर खुर्द निवासी शोभित पुत्र लोकेश, संभारी पुत्र पहाड़ी, लोकेश पुत्र कलवारी दास, राजेश कुमार, सुरेश पुत्र भगौतीलाल, संदीप पुत्र गौरीलाल, रजनीकांत पुत्र नन्हूंलाल, सुमित पुत्र रघुवीर, सरनाम,



ट्रक में घुसने से क्षतिग्रस्त ईको वैन।

कौशल पुत्र सुंदरलाल, हरियाणा के गांव सिवांका धान कटाई करने गए थे। धान कटाई के बाद बुधवार रात सभी ईको वैन अपने गांव वापस रामनगर खुर्द आ रहे थे। चालक सहित इको वैन में 11 लोग सवार थे।

थाना मैलानी के गांव नौआखेड़ा के पास वैन चालक को झपकी आ गई, जिससे वह आगे चल रही अज्ञात ट्रक में पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, बाईं साइड का गेट उखड़ कर रोड पर गिर गया। वैन में आगे बैठे संभारी पुत्र पहाड़ी तथा सरनाम पुत्र सुंदरलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पीआरवी 2667 ने एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सीएचसी गोला भेज दिया, जहां डॉक्टर ने संभारी पुत्र इतवारी को मृत घोषित कर दिया और सरनाम पुत्र सुंदरलाल निवासी गांव दलेलनगर कोतवाली गोला को जिला अस्पताल लखीमपुर रेफर कर दिया, जहां कुछ देर चले इलाज के बाद हालत में सुधार न होता देख उसे मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटना के बाद वैन चालक मौके से भाग निकला।

**हरियाणा से चले आए जिले में हो गई दुर्घटना**

संसारपुर : सभी मजदूर धान कटाई के बाद हरियाणा के गांव सिवांका से अपने गांव हंसी–खुशी वापस लौट रहे थे। परिजनों के लिए फल और मिठाई साथ में थी। अपने ही जिले में प्रवेश करते ही थाना मैलानी के गांव नौआखेड़ा में दुर्घटना हो गई, जिससे कई परिवारों के सपने टूट कर बिखर गए। पुलिस द्वारा सूचना पाकर अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। दुर्घटना के बाद वैन में बिखरे पड़े जूते, चप्पल बता रहे थे कि घटना कितनी भयावह थी। हर तरफ चीख, पुकार मची थी। राहगीरों तथा पुलिस ने किसी तरह गेट तोड़ कर सभी को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने संभारी पुत्र पहाड़ी को मृत घोषित कर दिया।

• हरियाणा से मजदूरी कर घर लौट रहे थे श्रमिक

# रामलीला पार्क में लगाई जाए श्रीराम और वाल्मीकि की प्रतिमा

संवाददाता, खीरी टाउन

• मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन ईओ को सौंपा

**अमृत विचारः** नगर पंचायत खीरी के मोहल्ला अरनीखाना में बनाए जा रहे श्री रामलीला पार्क में भगवान श्रीराम एवं वाल्मीकि की भव्य प्रतिमाओं की स्थापना कराए जाने की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार को सौंपा।

मोहल्ला अरनीखाना में प्रस्तावित रामलीला पार्क के निर्माण के लिए वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश सरकार से लगभग एक करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। नगर पंचायत खीरी ने इस परियोजना के निर्माण के लिए 15 मार्च 2024 को ही कार्यादेश जारी कर दिया था। पार्क निर्माण की प्रगति के बीच प्रतिमा स्थापना की मांग तेज हो गई है। बुधवार को भाजपा खीरी मंडल के पूर्व महामंत्री एवं नगर पंचायत खीरी के पूर्व नामित सदस्य रोहित अवस्थी ने अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जब पार्क का नाम ही रामलीला पार्क है, तो उसमें श्रीराम व वाल्मीकि की प्रतिमाएं स्थापित होना जनभावनाओं के अनुरूप हैं। रोहित अवस्थी ने प्रतिमाओं की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, नगर विकास मंत्री सहित संबंधित विभागीय अधिकारियों को पत्र भेजकर मांग की है कि इस कार्य को प्राथमिकता पर कराया जाए। इस दौरान राम बहादुर निषाद, युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विवेक वर्मा, खीरी मंडल उपाध्यक्ष विजय कुमार, विश्व हिंदू परिषद के सभासद सुरेश सिंह, अश्वनी शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक दीपक शर्मा आदि थे।


**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता**
**सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर**

पत्रांक 6032 / 352सी / ई–टेण्डर–सी0खी0 / 2025–26 दिनांक 07.11.2025

–ई–प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना–

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में *"मार्ग निर्माण कार्य"* हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

कृषि विपणन सुविधाओं के अन्तर्गत नव निर्माण के कार्य

| क्र0 सं0 | जनपद / खण्ड का नाम | कार्य का नाम | कार्य की लागत (रू0 लाख में) | अनुरक्षण लागत (रू0 लाख में) | कुल लागत (रू0 लाख में) | धरोहर धनराशि (लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित) | ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1- | खीरी / प्रा0खं0 | विकास खण्ड मितौली में ककरहापुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 73.40 | 5.40 | 78.80 | 5.94 | 2715.00 | 06 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ | A, B, |
| 2- | खीरी / प्रा0खं0 | विकास खण्ड मितौली में रमपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य | 84.70 | 6.30 | 91.00 | 6.55 | 2715.00 | 06 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ | A, B, |

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 05.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 05.12.2025 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
लखीमपुर खीरी

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

**UP-240738 दिनांक 18.11.2025**
**विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**


# वार्षिकोत्सव में छात्रों ने पेश किए कार्यक्रम



गुरु नानक कॉलेज में छात्र को शील्ड और अभिभावक को शाल ओढ़ाकर सम्मानित करते मुख्य अतिथि उमेश द्विवेदी।

संवाददाता, कुकरा

• अतिथियों ने विभिन्न प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

**अमृत विचारः** श्री गुरु नानक इंटर कालेज पहाड़पुर में वार्षिक उत्सव एवं छात्र अलंकरण समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि ने कॉलेज की शिक्षण व्यवस्था की प्रशंसा कर प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कृत किया।

तीन दिवसीय अखण्ड पाठ हुआ। छात्र एवं छात्राओं से विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं करायी गयीं। विजयी छात्र एवं छात्राओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने पुरस्कृत किया। समारोह में हाईस्कूल एवं इन्टर की बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय एवं अपने माता पिता का नाम रोशन करने वाले छात्रों सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र इन्टर विज्ञान वर्ग योगेश कुमार प्रथम, अमितेंदर कुमार को द्वितीय, मानविकी वर्ग गुरप्रीत कौर प्रथम, सिमरन दीप कौर द्वितीय, कृषि वर्ग जितेन्द्र सिंह प्रथम, विश्वजीत द्वितीय, कक्षा 10 इंग्लिश मीडियम आदित्य निगम प्रथम, अनुभव गौतम द्वितीय, हिंदी मीडियम प्रतिभा राज प्रथम, पीयूष वर्मा द्वितीय और मेहदी प्रतिगिता में दीपंती को प्रथम, अर्पणा राज द्वितीय, रंगोली प्रतियोगिता में मधु अपर्णा प्रथम, प्रिय शिवानी द्वितीय को शील्ड और स्मृति चिन्ह एवं उनके अभिभावको को शाल देकर सम्मानित किया। साथ ही शिक्षको, प्रधानाचार्य एवं प्रबंध समिति के पदाधिकारियों को शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के कारण अंग वस्त्र देकर सम्मानित करके भविष्य में और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य कुलवन्त सिंह चीमा ने दूर दराज से आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहाड़पुर आना किसी पर्वत सी चढ़ाई से कम नहीं है। संचालन श्रवण कुमार वाजपेयी और मोनिका राजपूत एवं छात्रा प्रतिभा राज और करीना खातून ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य व प्रबंधक तथा विद्यालय के अध्यापक रामनरेश मिश्र, संजीव मिश्र, इमरान खान, अमित मिश्र, ज्योति गुप्ता, अजय शर्मा, चन्द्र प्रकाश, हरिहर अवस्थी आदि मौजूद रहे।

# विद्यार्थियों को बताए सुरक्षित यातायात के नियम

**गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः** रानी लक्ष्मीबाई कन्या इंटर कॉलेज शहाबुद्दीनपुर में यातायात माह मनाते हुए विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात के नियम बताते हुए उन्हें शपथ दिलाई गई।

कॉलेज में हुए समारोह में खीरी के यातायात प्रभारी सचिन गंगवार, रोहित यादव, विकल यादव, आदित्य कुमार, प्रधानाचार्य सर्वेश वर्मा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सचिन गंगवार ने छात्रों को यातायात सम्बन्धी नियमो की महत्वपूर्ण जानकारी देकर कहा कि यातायात के नियमो को अपनाकर सुरक्षित रह सकते हैं। इसके अलावा दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। वाहन धीमी गति से चलाएं, नशे में वाहन न चलाएं, रोड किनारे लगे संकेतों को देखकर वाहन चलाएं। बताया कि कोई स्टूडेंट्स जिसकी उम्र 16 वर्ष हो गई है उसका ड्राइविंग लाइसेंस अब बन जाएगा। विद्यार्थियों को यातायात सम्बन्धी नियमों की शपथ दिलाई गई।

• रानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में दिलाई गई नियम पालन की शपथ

प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार वर्मा ने कहा कि आज के समय में होने वाली मोटर वाहन दुर्घटना में प्रमुख युवा पीढ़ी द्वारा हेलमेट का प्रयोग न करना, ओवर गति, नशे की हालत मे वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करना, सड़क सुरक्षा संकेतों का पालन न करना, ट्रिपल राइडिंग आदि शामिल हैं। प्रधानाचार्य ने टीएस आई और उनकी टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। शशिधर पांडे इंचार्ज, सत्येंद्र कुमार, भूपेन्द्र कुमार, अंकुल शर्मा, दिनेश, सौरभ राठौर, सर्वेश, संजना, सुरभि बाजपेई, लवली, कृष्णकांत प्रजापति, उमेर, प्रसून, शैंकी, तूबानाज, दीपा, प्रगति, श्याम किशोर आदि स्टॉफ के लोग मौजूद रहे।


**पूर्वोत्तर रेलवे**

**ई–प्राप्रण निविदा सं0 उपमु0इं0–निर्माण–एलजेएन–10–2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्राप्रण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0 : (1) खुली निविदा संख्याः उपमु0इं0–नि0–एलजेएन–10–2025 दिनांक 19.11.2025 कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में बुढ़वल–बाराबंकी तीसरी लाईन परियोजना के अन्तर्गत बुढ़वल यार्ड में फार्मेशन कार्य, प्लेटफार्म कार्य भवन निर्माण कार्य, पी0वे0 कार्य एवं अन्य कार्य के साथ–साथ बिन्दौरा यार्ड में भवन, पहुँच मार्ग और अन्य विविध कार्यों का निष्पादन। **अनुमानित निविदा मूल्य :** 39,90,19,087.36 **बयाना राशि (रु) :** 21,45,100.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) :** निल। **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 (अठारह) माह। ● **क्रम सं0–1 :** ई–टेण्डर डालने की अंतिम तिथि 12.12.2025 समय 15.00 बजे तक है तथा उसी दिन 15.30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / पूर्वोत्तर रेलवे / गोरखपुर के कार्यालय मे खोली जायेगी। ● निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं भातें बेवसाइट **http://ireps.gov.in.** अथवा बेवसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in.** पर भी देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना मे यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों मे कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

**उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण–II लखनऊ**

मुजाधि / डब्लू–339

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें



**पूर्वोत्तर रेलवे**

**खुली ई–निविदा**

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.) / इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः– **क्र. सं. 01. खुली ई–निविदा सूचना सं.: इज्जत / इलै. / ओ.टी / 28 / 2025 दि. 18.11.2025 कार्य का नामः** नैनीताल होली डे होम में NV सीरीज सूटों के उपर 07 सूटों के निर्माण से सम्बन्धित विद्युत कार्य और मण्डल चिकित्सालय, इज्जतनगर में ICCU वार्ड, अधिकारी केबिन, दंत चिकित्सा कक्ष, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, पैथेलॉजी और OT, ICCU अधिकारी केबिन आदि की छत उपचार में सुधार और भोजीपुरा टी.आर.डी. डिपो में बारवेड वायर बाउंड्री वाल, दो स्टोर रूम, दो जीप ट्रक शेड और मॉडल OHE की व्यवस्था तथा काठगोदाम और लालकुआं में पुराने / जीर्ण–शीर्ण 28 नग टाइप–II आवासो के बदलाव से सम्बन्धित विद्युतीय कार्य। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 76,29,856.65 **धरोहर राशि रु. में :** 1,52,600.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **निविदा का प्रकार :** खुली निविदा। **ई–निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 11.12.2025 15.00 बजे तक। **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** आठ माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट, http://www.ireps.gov.in. पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास–III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS_पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। ● निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय–समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जॉच करे, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नही किया जाएगा।

**सहायक मंडल विद्युत इंजी / कोचिंग / इज्जतनगर**

मुजाधि / विद्युत–190

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें



**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता**
**बदायूँ / पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली**

पत्रांक 8158 / 533सी0(ई–टेण्डर)–08 / 2025–26 दिनांक 06.11.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ / पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई0–निविदा प्रतिषत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट / पोर्टल पर दिनांक 25.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।
2.

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | लागत (लाख रू0 में) अनुमानित लागत | 05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत | कुल अनुमानित लागत | विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में) | बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने का समय | फर्म / ठेकेदारों की आवष्यक पंजीकरण श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 7 | 7 |
| 1 | तेजनगर से कुकरीखेड़ा रोड से होते हुए ग्राम पंचायत सरौरा तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। | 132.00 | 8.50 | 140.50 | 9.03 | 2714.00 | 12 माह | A & B |
| 2 | मुडिया कुंडरी सम्पर्क मार्ग पर गांव जगीपुर जैतपुर से गांव कोकिला तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य। | 64.50 | 3.80 | 68.30 | 5.42 | 2714.00 | 06 माह | A, B & C |

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस.के. जैन)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत

(के0के0 सिंह)
अधीक्षण अभियंता
बदायूँ / पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

**UP-240831 दिनांक 18.11.2025**
**विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**


# लायंस क्लब के शिविर में 42 यूनिट किया रक्तदान




गोला में लायंस क्लब के शिविर में रक्तदान करते महादानी। • अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

**अमृत विचारः** लायंस क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में महादानियों ने 42 यूनिट रक्तदान किया, जबकि चिकित्सीय कारणों के चलते 15 इच्छुक महादानी रक्तदान नहीं कर पाए।

लखीमपुर मार्ग स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में मेडिकल कॉलेज लखनऊ की टीम के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 42 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जबकि चिकित्सकीय कारणों से 15 इच्छुक रक्तदाताओं को रक्तदान हेतु विराम देने की सलाह दी गई। शिविर का शुभारंभ लखनऊ के लायन विनीत श्रीवास्तव द्वारा 74वीं बार स्वयं एक यूनिट रक्तदान कर किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, पालिका की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. आशुतोष गुप्ता, केशव अग्रवाल, राजेश पांडेय, शिवगोपाल गुप्ता, टोनी सनी, माता प्रसाद केडिया सहित लायंस क्लब के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

# घर में घुसकर मारपीट छह लोग घायल

**लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः** कोतवाली मोहम्मदी के गांव हरीहरापुर में मंगलवार शाम गेहूं बोए हुए खेत में होकर ट्रैक्टर निकालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि एक पक्ष ने दूसरे के घर में घुसकर मारपीट की। धारदार हथियारों से प्रहार किया। इस मारपीट में छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांव हरीहरापुर निवासी सतीश ने बताया कि उसने अपने खेत में गेहूं की बुवाई कर रखी है। शाम करीब 5:30 बजे उसे जानकारी मिली कि पड़ोसी धर्मेंद्र पुत्र रामभजन उसके खेत से ट्रैक्टर निकाल रहा है। विरोध करने पर धर्मेंद्र ने गाली-गलौज कर उसे घर से भगा दिया। इसके बाद शाम करीब 7:30 बजे धर्मेंद्र, गुलजारी, अहिवरन, अभय सिंह उर्फ अनुज, पंकज, विपिन और देवेश सहित सात लोग लाठी-डंडों और कांते से लैस होकर उसके घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। सतीश के शोर मचाने पर बचाने आए उसके भतीजे मोहित, रोहित, दिलीप, पत्नी रामश्री और पुत्र अतुल को भी आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया। सभी को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित का कहना है कि घटना का पूरा वीडियो उसके पास लगे सीसीटीवी कैमरे में सुरक्षित है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।


**कार्यालय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मीरगंज, बरेली**

1. रामलाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली **बनाम** 1. महीपाल पुत्र मुन्नालाल निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 2. सोमवती पत्नी मुन्नालाल निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 3. देवेन्द्र स्वरूप पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना तहसील मीरगंज जिला बरेली 4. झांजन लाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 5. भगवान दास पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली

**अन्तर्गत धारा–116 राजस्व संहिता– 2006**
**आराजी ग्राम ढकिया परगना कांवर**
**तहसील मीरगंज जिला बरेली**

चूंकि रामलाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली ने धारा–116 राजस्व संहिता–2006 वाद दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है। कि आप तारीख 21.11.2025 को असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा माहाजा को जवाब दे होकर मय कागजात मुकदमा के हाजिर हो वरना गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला कर दिया जायेगा। आज तारीख 14.11.2025 मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत से जारी किया गया।

**उप जिलाधिकारी (न्यायिक)**
**मीरगंज, बरेली**



**कार्यालय नगर पंचायत अल्हागंज जनपद-शाहजहांपुर**

पत्रांकः 193/न.पं.अ./अति.अ.निविदा/2025–2026 दिनांकः 20.11.2025

**सूचना**

नगर पंचायत अल्हागंज में शीतलहर में अलाव लगवाने हेतु सूखी लकड़ी जलानी प्रति कुन्तल, लकड़ी/मूंगफली का छिलका प्रति कुन्तल, लकड़ी का बुरादा प्रति कुन्तल, जूट / बोरा कतरन प्रति कुन्तल, धान भूषी प्रति कुन्तल, गोबर के कन्ड़े प्रति सैकड़ा की आवश्यकता है। इच्छुक फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत अल्हागंज में उक्त सामग्री दरें दिनांक 26.11.2025 तक कार्यालय समयावधि में आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को सायं 03 बजे खोली जायेगी।

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पंचायत अल्हागंज**
**शाहजहांपुर**

**अध्यक्ष**
**नगर पंचायत अल्हागंज**
**शाहजहांपुर**



**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता**
**बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली**

पत्रांक : 11286 / 142सी0(ई0टेण्डर)–3 / 25 दिनांकः 14.11.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 22.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया हैः–

| क्र0 सं0. | कार्य का नाम | खण्ड का नाम | लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में) | 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में) | कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में) | धरोहर धनराशि (रू0 लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि | ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1 | जनपद शाहजहॉपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत परोतन सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य। | निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर | 76.00 | 5.70 | 81.70 | 6.10 | 2725.00 | 6 माह | 'ए' 'बी' (मार्ग कार्य) |
| 2 | जनपद शाहजहॉपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत सुखनईया से झकरेली पश्चिम लगेवा नगला सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य। | | 86.60 | 6.50 | 93.10 | 6.66 | 2725.00 | 6 माह | 'ए' 'बी' (मार्ग कार्य) |
| 3 | जनपद शाहजहॉपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत मुस्तफानगर से रहीमादासपुर सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य। | | 99.00 | 7.40 | 106.40 | 7.32 | 2725.00 | 12 माह | 'ए' 'बी' (मार्ग कार्य) |
| 4 | जनपद शाहजहॉपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत डींगुरपुर सहजापुर मार्ग से चकवाजिद सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य। | | 126.00 | 7.00 | 133.00 | 8.65 | 2725.00 | 12 माह | 'ए' 'बी' (मार्ग कार्य) |

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
शाहजहॉपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

UP – 240883 **दिनांकः** 19/11/2025
**विज्ञापन वेबसाइट** www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**


# बस के पहिए के नीचे कुचलकर युवक की मौत

संवाददाता, धौरहरा

**अमृत विचारः** कलुआपुर सिसैया स्थित पेट्रोल पंप के सामने गुरुवार की शाम चलती बस पर चढ़ते समय युवक का पैर फिसल गया। इससे वह गिरकर बस के पहिए के नीचे आ गया और उसकी कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

• चलती बस में चढ़ते समय युवक का फिसला पैर

हादसा शाम करीब चार बजे हुआ। बताते हैं कि जिला बहराइच के थाना बेहड़ा के गांव शिवपुर बोही निवासी कोयली पुत्र सियाराम (25) चलती बस में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ा, जिसके बाद बस का पहिया उसके शरीर पर चढ़ गया।

इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस को कब्जे में लेकरचालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।



घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व अन्य। • अमृत विचार


**उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद**
**कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक 122, सिविल लाइन्स, बरेली।**

**सर्व साधारण को सूचना**

परिषद की राजेन्द्र नगर यो०सं०-2, बरेली में स्थित एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 श्री बदन सिंह भदौरिया पुत्र स्व० श्री जगमोहन सिंह को आवंटित किया गया। श्री बदन सिंह भदौरिया पुत्र स्व० श्री जगमोहन सिंह द्वारा अपना मुख्यारेआम श्री रंजीत सिंह भदौरिया पुत्र श्री बदन सिंह भदौरिया को नियुक्त कर दिया गया। श्री रंजीत सिंह भदौरिया पुत्र श्री बदन सिंह भदौरिया द्वारा मुख्त्यारेआम के आधार पर अपने पक्ष में डीड निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली को कर दिया गया। अब श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली द्वारा अवगत कराया गया है कि मेरे द्वारा काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत नहीं कर पा रहा हूं। इस हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूं तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। अतः एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है राजेन्द्र नगर यो०सं०-2 बरेली में स्थित एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 का अन्तरण श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली के पक्ष में किया जाना है। एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

**आज्ञा से सम्पत्ति प्रबन्धक**

| बाजार | सेंसेक्स ↑ | निफ्टी ↑ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 85,632.68 | 26,192.15 |
| बढ़त | 446.21 | 139.50 |
| प्रतिशत में | 0.52 | 0.54 |

**सोना 1,26,700**
प्रति 10 ग्राम

**चांदी 1,58,000**
प्रति किलो


# अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025
www.amritvichar.com




## बरेली मंडी

**वनस्पति तेल तिलहन :** तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

**किराना :** निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

**चावल (प्रति कु.) :** डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

**दाल दलहन :** मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

**चीनी :** पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

## हल्द्वानी मंडी

**चावल :** शरबती- 4300, मसूरी- 1100, बासमती- 8000, परमल- 2200

**दाल दलहन :** काला चना- 5000, साबुत चना दाल- 5100, मूंग साबुत- 7100, राजमा- 10000-12100, दाल उड़द- 7100, साबुत मसूर दाल- 5600, मसूर दाल- 4100, उड़द साबुत- 7000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 4200

# केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

## आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

डॉलर के मुकाब ले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

### दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमश: 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

# भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

# अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

## कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

**नई दिल्ली।** नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

# व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

## राष्ट्रीय

# बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

## पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

### दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

### अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

### राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

**सेना पर की टिप्पणी का मामला**

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

# दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

### नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

**पटना।** जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

### बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुन: शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

### नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

**पटना।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

# हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

● छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

# दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

### भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

**कोलंबो।** श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

### दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

**सोल।** दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

## प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

**मेलबर्न।** प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे।कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर वे अपना खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

## सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा

दुनिया की प्रमुख चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित एक ताजा रिसर्च में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया गया है। दुनिया के जाने-माने चिकित्सा विशेषज्ञों की रिसर्च पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते उपयोग की वजह से दुनिया भर में मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवावस्था में हृदय की बीमारियां और हार्ट अटैक के पीछे भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रमुख भूमिका है। लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के लगातार बढ़ते खतरों पर सरकारों की गैरजिम्मेदारी का भी प्रमुखता से उल्लेख है जो खतरों की जानकारी होने के बावजूद निहित स्वार्थों की वजह से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर कोई भी पाबंदी लगाने या नीति बनाने में गंभीरता नहीं दिखातीं।

## अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

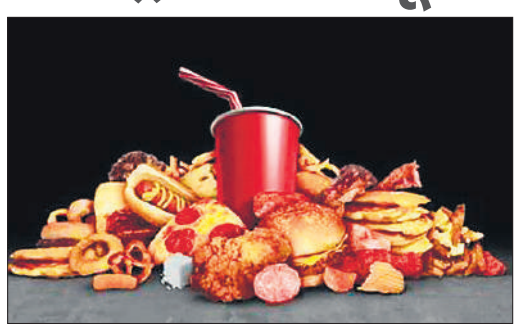

### भारत में कितना बड़ा खतरा

- मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद जैसी तमाम गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। समय से पहले मृत्यु का भी जोखिम काफी बढ़ा है।
- पुरुषों में मोटापे का प्रतिशत 12% से 23% और महिलाओं में 15% से 24% तक बढ़ा है। मोटापे की वजह से भी बीमारियां शिकार बना रही हैं।
- शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, जिससे कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- दुनिया में भारत जैसे देश इन उत्पादों के लिए बड़े बाजार बन गए हैं, और ये देश वैश्विक व्यापार समझौते भी प्रतिबंधों को मुश्किल बनाते हैं।

### चिकित्सा विशेषज्ञों के सरकार को सुझाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन को कम करने और लोगों की पारंपरिक, कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की ओर वापसी को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को कड़े स्वास्थ्य नीतिगत कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में स्वास्थ्य और पोषण नीति निर्धारकों को हालात बेकाबू होने की भी चेतावनी दी गई है।

### बच्चों के लिए ज्यादा गंभीर

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में एक्स्ट्रा नमक, चीनी, खराब तेल, आर्टिफिशियल रंग, फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स तथा एडिटिव्स शामिल होते हैं।
- लैंसेट की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि ये घटक बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं।
- लगातार सेवन से कुपोषण, माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी, मोटापा, आंतों के असंतुलन, नींद की समस्या, डिप्रेशन जैसे जोखिम बढ़ते है।

### सरकारें क्यों बेपरवाह

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनियां बड़ा आर्थिक योगदान करती हैं जिसकी वजह से सरकारें प्रतिबंध लगाने से हिचकिचाती हैं।
- बड़ी खाद्य कंपनियां अपनी पहुंच और आर्थिक शक्ति का उपयोग लॉबिंग के लिए करती हैं, जिससे सरकारी नीतियां प्रभावित होती हैं।

### बढ़ता कारोबार

- भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की सेल 2006 से 2019 तक लगभग 40 गुना बढ़ गई है और इन वर्षों में 0.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 38 बिलियन डॉलर हो गई है।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में बहुत अधिक स्वाद और कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को खासतौर पर लुभाते हैं।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उत्पाद सुविधाजनक हैं, क्योंकि इन्हें बनाना नहीं पड़ता और ये आसानी से हर जगह उपलब्ध होते हैं।
- भारत जैसे देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड ताजे और स्वस्थ भोजन की तुलना में सस्ते होते हैं। लोग इस कारण भी इन्हें खरीदते हैं।
- आकर्षक और रंगीन पैकेजिंग के साथ भ्रामक दावों के साथ उत्पादों की मार्केटिंग की जाती है। लोग इनके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नहीं समझ पाते।

# जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

## सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

**बेलेम (ब्राजील), एजेंसी**

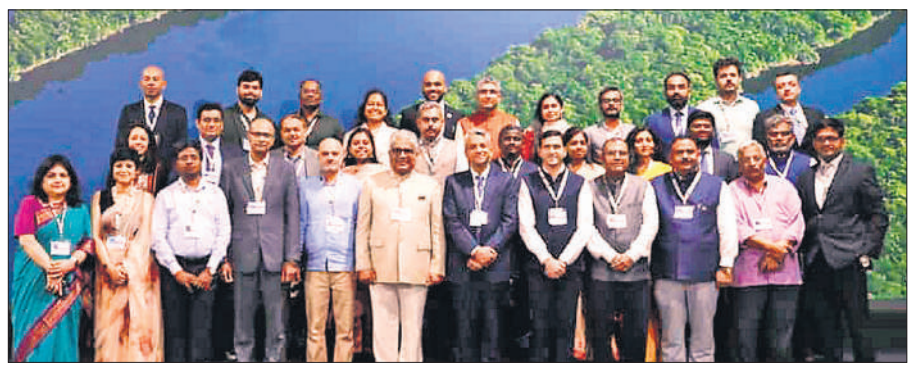

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

### जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

### लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

**बेलेम।** ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

## अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

## नेपाल: जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

**काठमांडू, एजेंसी**

- ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

## 350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी**

- ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

### अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

## बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

**ढाका, एजेंसी**

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद यूनुस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

## भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

### आज का पंचांग

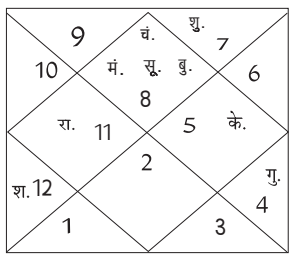


**दिशाशूल**- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
**चन्द्रबल**-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
**ताराबल**- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

**मेष** — आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

**वृष** — आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

**मिथुन** — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

**कर्क** — आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

**सिंह** — आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

**कन्या** — आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

**तुला** — आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

**वृश्चिक** — आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

**धनु** — आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

**मकर** — आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

**कुंभ** — आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

**मीन** — आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

### सुडोकू-167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | | | | | | |
| | | | | 1 | | | | |
| | | | | | | 3 | | |
| | 7 | | | | | | | |
| | | 9 | | | | | | |
| | | | | | 3 | | 2 | |
| | | 8 | | | | | | |
| | | | | 7 | | | | |
| | | | | | | 9 | | |

### सुडोकू - 166 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 6 | 5 | 2 | 9 | 8 | 7 | 3 | 4 |
| 4 | 9 | 8 | 5 | 3 | 7 | 1 | 6 | 2 |
| 7 | 2 | 3 | 4 | 6 | 1 | 9 | 8 | 5 |
| 3 | 1 | 2 | 7 | 8 | 4 | 5 | 9 | 6 |
| 5 | 7 | 6 | 3 | 2 | 9 | 4 | 1 | 8 |
| 8 | 4 | 9 | 6 | 1 | 5 | 2 | 7 | 3 |
| 9 | 8 | 4 | 1 | 5 | 3 | 6 | 2 | 7 |
| 2 | 3 | 7 | 9 | 4 | 6 | 8 | 5 | 1 |
| 6 | 5 | 1 | 8 | 7 | 2 | 3 | 4 | 9 |

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा


# स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

**टोक्यो :** भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा। चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था। इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा। जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी। तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया।

### प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

**मुंबई :** प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

### इटली डेविस कप सेमीफाइनल में

**बोलोगना (इटली) :** दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 .0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा। इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6 .1, 6 .3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता। इससे पहल मातेओ बेरेटिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6 .3, 7 .6 से मात दी थी। इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है। आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था। अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी।

### रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

**नई दिल्ली :** अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है। पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था। विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं। एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए।

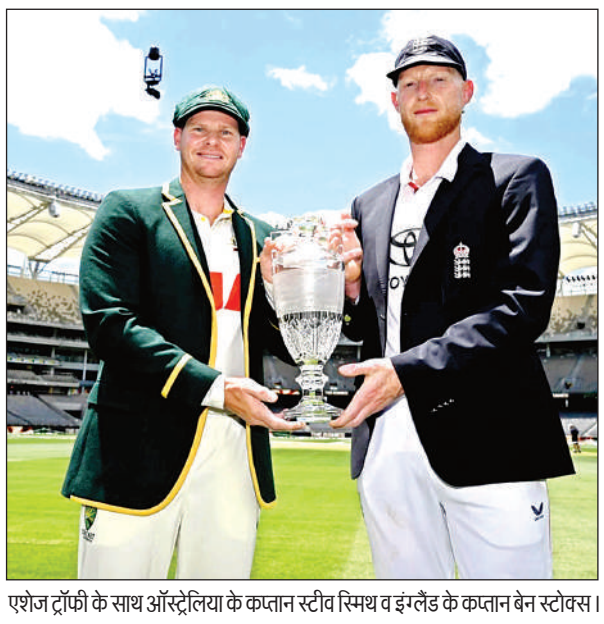

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स।

# ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी। आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था। अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज शृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं। क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी। क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी। ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे। कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं। स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है।

**टीमें**

**ऑस्ट्रेलिया :** स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

**इंग्लैंड :** बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

# गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

## गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार रिपीट शनिवार को गुवाहाटी में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उनकी गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा ज्यादा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, इंडिया को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना होगा। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया गया था। तीसरे दिन बीसीसीआई ने कहा वह टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

### शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

**गुवाहाटी :** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था। उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा। शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं।

## दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खेलने पर असमंजस कायम

**गुवाहाटी :** दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा ने भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कगिसो रबाडा के खेलने की संभावना से इन्कार नहीं किया, लेकिन इस मुख्य तेज गेंदबाज ने बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया। दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज आक्रमण का अहम हिस्सा रबाडा मैच से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण कोलकाता में पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे। बोथा ने दूसरे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज के खेलने की संभावना पर कहा हम कागिसो रबाडा पर नजर रख रहे हैं और अगले 24 घंटे में फैसला करेंगे। गुवाहाटी पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है और बरसापारा स्टेडियम की पिच से दोनों टीम अनजान हैं। बोथा ने पिच के बारे में कहा हमें बताया गया है कि विकेट (गुवाहाटी में) बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। लेकिन आप घास रखते हैं या नहीं, इससे बहुत फर्क पड़ता है। दो दिन बचे हैं, हमें यह देखने के लिए इंतजार करना होगा कि क्या यह समय से पहले टर्न लेना शुरू करती है। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच को उम्मीद है कि ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में मेहमान टीम की यादगार जीत के नायकों में से एक ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर अंतिम मैच में भी भारतीय बल्लेबाजों को चित्त कर देंगे। साथ ही उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की दिक्कत से भी इनकार किया। बोथा ने कहा साइमन हार्मर के कंधे में कोई दिक्कत नहीं है। अगर गेंद कोलकाता की तरह जल्दी टर्न होने लगे तो बल्लेबाजी क्रम में इतने सारे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने पर वह खतरनाक हो जाएंगे। उन्होंने कहा( हमने) आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

## भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

**गुवाहाटी :** भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है। भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है। अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं। कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं। मुझे अपनी भूमिका पता है।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी।

# अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

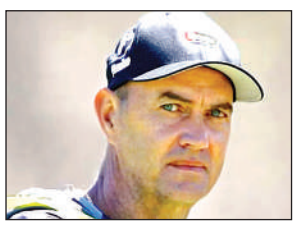

घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था। बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन ज़ाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

## घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी। चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है। उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है। इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है। भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

# सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा।

**ऑस्ट्रेलियन ओपन**

सात्विक-चिराग। फाइल फोटो

**विश्व मुक्केबाजी कप** | भारतीय महिलाओं ने देश के लिए ऐतिहासिक दिन बनाया, 2028 ओलंपिक के लिए बढ़ेगा आत्मविश्वास

# नूपुर, मीनाक्षी, प्रीति और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

भारत की महिलाओं ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में देश के लिए उस समय एक ऐतिहासिक दिन बनाया, जब मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने स्वर्ण पदक जीते।

उनकी जीत कई खास डिवीजन में हुई जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे, जहां बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है और जो लॉस एंजेलिस की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है। उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी रजत पदक जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा। सेशन 7 में सात और भारतीय स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे, जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं। मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क आक्रामकता दिखाई। वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ बहुत तेज एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के जरिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा। प्रीति ने एक और जबरदस्त 5:0 का परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी पर लगातार दबाव बनाया।

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति।

### अरुंधति ने अजीजा को 5-0 से हराया

अरुंधति चौधरी ने दिन का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया। 18 महीने बाद वापसी करते हुए, उन्होंने तेज अटैक और अनुशासित डिफेंस का मिक्सचर किया, डिसाइसिव जैब से खूब स्कोर किया और तीनों राउंड में पूरा टैक्टिकल कंट्रोल बनाए रखा। स्वर्ण पदक की बढ़त तब जारी रही जब नूपुर ने एक टेंशन भरे, टैक्टिकल मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3:2 से हराया। पुरुषों के फाइनल में, भारत ने अपनी गिनती में चार रजत पदक जोड़े। जदुमणि सिंह (50) ने दिल से मुकाबला किया लेकिन उज़्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव से 1:4 से हार गए।